Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 21
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार, 28 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

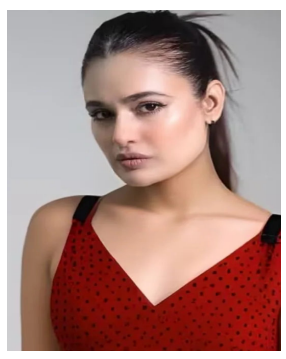

3 छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई ... 4 दुनिया में गहरा रहा जल संकट, संयुक्त राष्ट्र... 7 ऑस्ट्रेलियन ओपन में फिटनेस ट्रैकर्स बैन ...

भारत ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पूरा किया

पीएम मोदी ने इसे बताया साझा समृद्धि का ब्लूप्रिंट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत और यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता के समापन की घोषणा करने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। भारत और यूरोपीय संघ ने सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी समझौते के साथ ही आवागमन के लिए व्यापक ढांचा तैयार करने से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने आज 27 देशों वाले यूरोपीय संघ के साथ अपना अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता किया। यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं बल्कि साझा समृद्धि का एक नया खाका है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और यूरोपियन यूनियन के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक तालमेल और लोगों के बीच मजबूत संबंधों के चलते हमारी साझेदारी नई उच्चाइयों तक पहुंच रही हैं। आज हमारे बीच 180 बिलियन यूरो का ट्रेड है। 8 लाख से अधिक भारतीय यूरोपियन यूनियन के देशों में रह रहे हैं और सक्रिय योगदान दे रहे हैं...आज भारत ने अपने इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट संपन्न किया है।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और यूरोपियन यूनियन के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक तालमेल और लोगों के बीच मजबूत संबंधों के चलते हमारी साझेदारी नई उच्चाइयों तक पहुंच रही हैं। आज हमारे बीच 180 बिलियन यूरो का ट्रेड है। 8 लाख से अधिक भारतीय यूरोपियन यूनियन के देशों में रह रहे हैं और सक्रिय योगदान दे रहे हैं...आज भारत ने अपने इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट संपन्न किया है। पीएम मोदी ने कहा कि इस समझौते के तहत हम साथ मिलकर आईएमआए कॉरिडोर को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ग्लोबल ऑर्डर में उथल पुथल है। पीएम मोदी ने वैश्विक संस्थानों में रिफॉर्म का मुद्दा फिर से उठाया और कहा रिफॉर्म बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज से एक नया युग शुरू हुआ है। भारत-ईयू की ये समिट अहम क्षण है। पीएम मोदी ने साझा भविष्य के प्रति ईयू नेताओं के सहयोग के लिए पीएम ने धन्यवाद दिया।

शंकराचार्य विवाद में उमा भारती की एंट्री

बोलीं- सबूत मांगना गलत, मेरा बयान सीएम योगी के खिलाफ नहीं

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता उमा भारती ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी से उनके शंकराचार्य पदवी का प्रमाण मांगना मर्यादा का उल्लंघन है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनके इस कथन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अनादर करना नहीं है। एक पोस्ट में भारती ने कहा कि इस तरह के प्रमाण मांगने का अधिकार केवल शंकराचार्य या विद्वान परिषद के पास है।

उमा भारती ने एक्स पर लिखा कि मुझे विश्वास है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज एवं उत्तर प्रदेश सरकार के बीच कोई सकारात्मक समाधान निकल आएगा किंतु प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा शंकराचार्य होने का सबूत मांगना, यह प्रशासन ने अपनी मर्यादाओं एवं अधिकारों का उल्लंघन किया है, यह अधिकार तो सिर्फ शंकराचार्यों का एवं विद्वत परिषद का है। हालांकि, इसके बाद उमा भारती ने एक और एक्स पोस्ट किया।

उमा भारती ने लिखा कि योगी विरोधी खुश फहमी ना पालें, मेरा कथन योगी जी के विरुद्ध नहीं है, मैं उनके प्रति सम्मान, स्नेह एवं शुभकामना का भाव रखती हूं किंतु मैं इस बात पर कायम हूं कि प्रशासन कानून-व्यवस्था पर सख्ती से नियंत्रण करे लेकिन किसी के

शंकराचार्य होने का सबूत मांगना मर्यादा का उल्लंघन है, यह सिर्फ शंकराचार्य या विद्वत परिषद कर सकते हैं। उनकी ये टिप्पणी माघ मेले के दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोकने के कथित प्रयास के बाद आई है।

हालांकि, प्रयागराज प्रशासन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। संभागीय आयुक्त सौम्या अग्रवाल ने कहा कि शंकराचार्य बिना पूर्व अनुमति के लगभग 200 अनुयायियों के साथ संगम पर पहुंचे, जबकि वहां भारी भीड़ थी। शनिवार को बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की सुप्रीमो मायावती ने कहा कि हाल के वर्षों में न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि पूरे देश में धार्मिक त्योहारों, छुट्टियों, पूजा-पाठ और स्नान समारोहों में राजनीतिक हस्तियों का हस्तक्षेप बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि यह प्रवृत्ति जनता के बीच नए संघर्षों और चिंताओं को जन्म दे रही है। प्रयागराज स्नान समारोह विवाद का ताजा उदाहरण देते हुए मायावती ने चेतावनी दी कि 'संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए धर्म को राजनीति से जोड़ना अंतर्निहित रूप से खतरनाक है'। उन्होंने पर पोस्ट किया, 'प्रयागराज में स्नान समारोह को लेकर पनप रहे कड़वे विवाद को आपसी सहमति से जल्द से जल्द सुलझाया जाना चाहिए - जितनी जल्दी हो, उतना अच्छा।'

मोदी सरकार के आर्थिक विकास के आंकड़ों की विश्वसनीय पर सवाल : कांग्रेस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति और 'बढ़ती असमानता' को चिंताजनक करार देते हुए मंगलवार को दावा किया कि सरकार के आर्थिक विकास के आंकड़ों की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में आ गई है। कांग्रेस के शोध विभाग के प्रमुख राजीव गौड़ा और पार्टी के संचार विभाग के शोध मामले के प्रभारी अमिताभ दुबे ने अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर एक पुस्तिका जारी की और कहा कि देश को आज सुर्खियों की नहीं, ईमानदार आंकड़ों की जरूरत है।

रिपोर्ट जारी करते हुए गौड़ा ने कहाः 'अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति मोदी सरकार की प्राथमिकताओं को उजागर करती है। ऐसे समय में जब असमानता बद से बदतर हो रही है, कॉर्पोरेट मुनाफा बढ़ रहा है, सार्थक रोजगार सृजन नहीं हो रहा है, तो मोदी सरकार कल्याण में कटौती करने पर अड़ी हुई है।' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक बयान का हवाला देते हुए कहा, 'यह सरकार गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं - चार 'जातियों' के लिए सामाजिक सुरक्षा कवच को खत्म कर रही है। इसके अलावा, भारत के डेटा की विश्वसनीयता पर व्यापक रूप से सवाल उठाए जा रहे हैं। भारत को ईमानदार आंकड़ों की जरूरत है और एक समावेशी विकास मॉडल जो रोजगार पैदा करता है, न कि केवल सुर्खियां। मोदी सरकार का प्रचार हमें पूर्ववर्ती एनडीए सरकार के ' भारत उदय' वाले अहंकार की याद दिलाता है।' अमिताभ दुबे ने कहा, 'जिस विकास से केवल कुछ लोगों को लाभ होता है, वह सफलता नहीं है। यह एक चेतावनी संकेत है। बढ़ती असमानता और सिमटता जन कल्याण बड़े पैमाने पर आर्थिक कुप्रबंधन के स्पष्ट संकेतक हैं। लेकिन मूल रूप से अच्छी नीति ईमानदार डेटा से शुरू होती है।' उन्होंने कहा, 'हम सरकार से देश के सामने वास्तविक आंकड़े रखने के लिए कहते हैं, न कि लोगों को गुमराह करने वाले हेरफेर किए गए आंकड़े।' रिपोर्ट में कहा गया है।

महाराष्ट्र में स्कूलों में मराठी अनिवार्यः क्या सभी स्कूल आदेश का कर रहे पालन? शिक्षा विभाग ने मांगी रिपोर्ट

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर सभी स्कूलों में मराठी पढ़ाए जाने का आदेश चर्चा में है। इसका बड़ा कारण यह है कि शिक्षा विभाग ने मंगलवार को शिक्षा आयुक्त से 2020 के आदेश के पालन की जांच रिपोर्ट मांगी है। इस आदेश के तहत मराठी को हर स्कूल में अनिवार्य पढ़ाना है, चाहे वह ICSE, CBSE, IB या अन्य बोर्ड से संबद्ध हो।

बता दें कि मामले में सरकार ने 9 मार्च 2020 को यह गवर्नमेंट रेजोल्यूशन (जीआर) जारी किया था। इसके बाद सितंबर 2024 में शिक्षा विभाग ने क्षेत्रीय

शिक्षा उप-निदेशकों को भी इस विषय पर पत्र भेजा था और पालन की जांच करने के निर्देश दिए थे।

पत्र में मनसे नेता का भी जिक्र

ताजा पत्र में शिक्षा विभाग ने कहा कि आदेश के पालन की जांच कर रिपोर्ट सौंपें। पत्र में महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) के नेता अमित ठाकरे के अगस्त 2024 के पत्र का भी उल्लेख है, जिसमें उन स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई थी, जिन्होंने आदेश का पालन नहीं किया। ऐसे में इस कदम के माध्यम से यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि महाराष्ट्र के सभी स्कूलों में मराठी भाषा की शिक्षा अनिवार्य रूप से दी जाए और बच्चों को उनकी मातृभाषा का ज्ञान सुनिश्चित हो।

ये डीके, डीके चिल्लाने वाले कौन हैं?: सीएम सिद्धारमैया ने कार्यकर्ताओं की हरकत देख खोया आपा, लगाई फटकार

बंगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया मंगलवार को एक रैली में उस समय अपना आपा खो बैठे, जब युवा कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के समर्थन में नारे लगाये। शुरू में नारों को नजरअंजाद कर सिद्धारमैया भाषण देते रहे, लेकिन जब मंच के नीचे से नारे और तेज हो गए तो मुख्यमंत्री गुस्से में मंच से ही कार्यकार्ताओं को भड़क गए।

मुख्यमंत्री मंच से भड़के

सीएम सिद्धरमैया उपमुख्यमंत्री शिवकुमार, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के साथ मिलकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम लाये जाने के विरुद्ध प्रदर्शन में भाग लेने पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया जैसे ही सभा को

संबोधित करने के लिए कुर्सी से उठे कुछ कांग्रेसी कार्यकर्ता 'डीके, डीके' के नारे लगाने लगे। जैसे-जैसे वह भाषण देने के लिए आगे बढ़ा नारेबाजी और तेज होती गई। इस बात से नाराज होकर मुख्यमंत्री ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर चिल्लाते हुए उन्हें चुप रहने को कहा, लेकिन कार्यकर्ताओं ने उनकी अनसुनी कर दी।

गुस्से में सिद्धरमैया ने कांग्रेस नेताओं से पूछा, ये 'डीके, डीके' कौन चिल्ला रहा है? इसके बाद कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया। स्थिति को बिगड़ता देख संचालक ने युवा कांग्रेस के नेता चुप रहने की हिदायत दी। मुख्यमंत्री भाषण दे रहे हैं। हम जानते हैं कि आप कौन हैं। चुपचाप मुख्यमंत्री का भाषण सुनें। सिद्धरमैया का भाषण शुरू होने के बावजूद कार्यकर्ताओं ने बाधा डालने की कोशिश की।

कई बार खुलकर सामने आ चुका है सत्ता का संघर्ष

बता दें कि काफी समय से कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस में सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष को लेकर बयानबाजी सामने आ चुकी है। पार्टी के कई विधायकों और विधानपरिषद सदस्यों ने उपमुख्यमंत्री के पक्ष में पैरवी भी की थी। सिद्धरमैया और शिवकुमार दोनों ने कहा है कि वे पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। सिद्धरमैया ने यह भी कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे और आलाकमान उनके साथ है।

गुजरात में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, दबोचा गया आरोपी; कर रहा था टारगेट किलिंग की तैयारी

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने एक बड़ी आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए 22 वर्षीय एक दर्जी को गिरफ्तार किया है। ये कथित तौर पर 'लोन वुल्फ' की तरह काम कर रहा था। यानी किसी टीम, संगठन या समूह के सहयोग के बिना पूरी तरह से अकेले अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना चाह रहा था। आरोप है कि वह पैगंबर मोहम्मद के कथित अपमान का बदला लेने के नाम पर उत्तर प्रदेश में कुछ लोगों की टारगेट किलिंग की योजना बना रहा था। एटीएस का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो बड़ी वारदात को अंजाम दिया जा सकता था।

पूरा मामला क्या है?

गिरफ्तार आरोपी की पहचान फैजान शेख के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के डुंडावाला का रहने वाला है। फिलहाल गुजरात के नवसारी जिले के चारपुल इलाके में रह रहा था। एटीएस ने उसके पास से एक पिस्टल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए। शुरुआती जांच में सामने आया कि वह कट्टरपंथी विचारधाराओं से प्रभावित था और अकेले ही हमले की तैयारी कर रहा था।

कैसे रची गई टारगेट किलिंग की साजिश?

ये ऐसे लोगों की पहचान करता था, जिन पर पैगंबर के अपमान का आरोप लगाया जाता था। वह ऐसे लोगों की फोटो और नाम आगे साझा करता था। इन्हें मारने के लिए उकसाने वाले संदेश फैलाए जाते थे। इस साजिश में वांछित आरोपी मोहम्मद अबू बकर भी शामिल था। दोनों मिलकर डर और दहशत फैलाने की योजना बना रहे थे।

कट्टरपंथी संगठनों से कैसे जुड़ा आरोपी?

जांच में सामने आया है कि फैजान शेख जैश-ए-मोहम्मद और अलकायदा जैसे आतंकी संगठनों की विचारधारा से प्रभावित था। उसके मोबाइल फोन से जिहाद भड़काने वाली सामग्री, वीडियो और ऑडियो मिले हैं। एटीएस के अनुसार आरोपी ने बताया कि वह पिछले छह से सात महीनों से अबू बकर के संपर्क में था और व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और टेलीग्राम के जरिए बातचीत करता था।

मोबाइल से क्या-क्या आपत्तिजनक सामग्री मिली?

एटीएस ने आरोपी के फोन से कई गंभीर सबूत बरामद किए हैं। जिहाद को बढ़ावा देने वाली 29 पन्नों की साहित्य सामग्री। लाल किले की तस्वीर, जिसमें तिरंगे की जगह काला झंडा दिखाया गया। भारत के नक्शे से छेड़छाड़ कर कश्मीर को अलग दिखाने वाली तस्वीरें।कुछ लोगों की तस्वीरें, जिनके चेहरे घेरकर उन्हें निशाना बताया गया। संदेश, जिनमें धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया गया।

एटीएस के मुताबिक फैजान शेख ने स्वीकार किया है कि उसने करीब छह महीने पहले उत्तर प्रदेश में एक अज्ञात व्यक्ति से हथियार खरीदा था। आरोपी के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

'राजनीति षड्यंत्रों से भरी है', टीटीवी दिनाकरन का चुनाव से पहले बड़ा ऐलान, खुद नहीं लड़ेंगे चुनाव

चेन्नई **(एजेंसी)**। अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कज़गम पार्टी के महासचिव टीटीवी दिनाकरन ने मंगलवार को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले कई पार्टियों के साथ गठबंधन वार्ता की संभावना जताई, साथ ही यह स्पष्ट किया कि वे इस चुनाव में चुनाव नहीं लड़ेंगे। मदुरै में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए दिनाकरन ने कहा कि मदुरै और तिरुनेलवेली क्षेत्रों से हमारी पार्टी के नेता आ चुके हैं और उनके साथ चुनाव रणनीतियों पर चर्चा चल रही है।

दिनाकरन ने तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के नेता के ए सेंगोत्तैयान के साथ अपने संबंधों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि सेंगोत्तैयान के साथ मेरा भाई जैसा रिश्ता है। टीवीके में शामिल होने से दो दिन पहले उन्होंने मुझे व्यक्तिगत रूप से अपने फैसले की जानकारी दी थी। वे चाहते थे कि मैं टीवीके गठबंधन में शामिल हो जाऊं। मैं उन्हें मना नहीं कर सका और इसलिए मैंने उनसे कहा, 'देखते हैं।' सेंगोत्तैयान को पूरा भरोसा था कि मैं अंततः टीवीके गठबंधन में शामिल हो जाऊंगा।

दिनाकरन ने संकेत दिया कि एएमएमके गठबंधन में शामिल होने के इच्छुक दलों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राजनीति षड्यंत्रों और साजिशों से भरा क्षेत्र है। सत्ता और शासन की बात आती है तो कई मुद्दे उठते हैं। ऐसी जटिलताओं से बचने और स्वस्थ संबंध बनाए रखने के लिए मैंने इस चुनाव में चुनाव न लड़ने का फैसला किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि गठबंधन वार्ता के लिए उनकी कोई शर्त नहीं है, और कहा कि वे जयललिता के शासन को वापस लाने के उद्देश्य से हमारे पास आए थे। एडप्पाडी के. पलानीस्वामी की सहमति से मेरे साथ गठबंधन वार्ता हुई। पूर्व एआईएडीएमके नेता ओ पन्नीरसेल्वम की भागीदारी के बारे में धिनकरन ने कहा कि कल मैंने मीडिया के माध्यम से ओ पन्नीरसेल्वम को निमंत्रण भेजा था। हमारी इच्छा है कि जयललिता के शासन की वापसी के लिए वे हमारे साथ हों, लेकिन अंतिम निर्णय उन्हीं का है।

यूजीसी एक्ट विवाद में कूदे कुमार विश्वास, 'सवर्ण' वाली कविता साझा कर सरकार को घेरा, नियमों पर मचा बवाल

नई दिल्ली। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के संशोधित नियमों को लेकर देशभर में राजनीतिक और सामाजिक माहौल गरमा गया है। उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव को रोकने के लिए लाए गए इन नए नियमों ने अब 'सवर्ण बनाम अन्य' का रूप ले लिया है। इस विवाद में अब प्रख्यात कवि कुमार विश्वास भी खुलकर शामिल हो गए हैं।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में कुमार विश्वास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दिवंगत कवि रमेश रंजन की एक कविता साझा कर अपना तीखा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कविता की पंक्तियाँ साझा करते हुए लिखा–

'चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा,
राई लो या पहाड़ लो राजा,
मैं अभागा 'सवर्ण' हूँ मेरा,
रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा।'

इसके साथ ही उन्होंने #UGC_RollBack हैशटैग का इस्तेमाल किया, जिससे यह साफ हो गया कि वह चल रहे आंदोलन के समर्थन में हैं।

यूजीसी एक्ट में यह संशोधन सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद किया गया है। रोहित वेमुला मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने यूजीसी को उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव रोकने के लिए सख्त नियम बनाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद यूजीसी ने संरचनात्मक बदलाव करते हुए सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में समानता समिति के गठन को अनिवार्य कर दिया।

नए नियमों के अनुसार अब अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र इस समिति के समक्ष जातिगत भेदभाव की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। पहले यह अधिकार केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों तक सीमित था। नियमों में समिति में इन वर्गों का प्रतिनिधित्व अनिवार्य किया गया है, लेकिन सवर्ण वर्ग के प्रतिनिधित्व का कोई प्रावधान नहीं रखा गया है। यही बात विवाद का बड़ा कारण बन गई है। सवर्ण समुदाय से जुड़े संगठनों की दूसरी बड़ी आपत्ति यह है कि नए नियमों में झूठी या निराधार शिकायतों पर कार्रवाई का प्रावधान हटा दिया गया है। पुराने नियमों में गलत आरोप लगाने पर दंड का प्रावधान था।

भाजपा ने शेखों का सम्मान किया लेकिन सूफी मकबरे पर तोड़फोड़ को खुशी से देखा-महबूबा

श्रीनगर **(एजेंसी)**। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके नेताओं ने पश्चिम एशिया के शेखों के लिए लाल कालीन बिछाया, लेकिन सूफी कवि बाबा बुल्ले शाह के मकबरे में तोड़फोड़ होने पर खुशी से देखते रहे। महबूबा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा नेता विदेशों में मस्जिदों में

तस्वीरें खिंचवाते हैं और पश्चिम एशिया के शेखों के लिए लाल कालीन बिछाते हैं। लेकिन अपने देश में, वे सूफी कवि बाबा बुल्ले शाह के मकबरे पर हो रही तोड़फोड़ को खुशी से देखते हैं।'' पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने भाजपा पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''यह पाखंड आकस्मिक नहीं बल्कि जानबूझकर किया गया है।

बढ़ती गरीबी, व्यापक बेरोजगारी और युवा पीढ़ी से छीने गए भविष्य के लिए जवाबदेह होने से कहीं अधिक आसान सद्भाव के प्रतीकों को नष्ट करना है।'' महबूबा 24 जनवरी को मसूरी में बाबा बुल्ले शाह की मजार पर दक्षिणपंथी हिंदू कार्यकर्ताओं द्वारा की गई कथित तोड़फोड़ पर प्रतिक्रिया दे रही थीं।

महायुति में महासंग्राम: भाजपा मंत्री गणेश नाइक के बयान से भड़के शिवसेना सांसद; कह दी ये बड़ी बात

दिव्यांश

मुंबई। महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ महायुति में बयानबाजी से तनाव बढ़ता दिख रहा है। शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने भाजपा नेतृत्व से अपील की है कि वह अपने नेता और मंत्री गणेश नाइक को संयम में रखें। म्हस्के का कहना है कि गणेश नाइक के बयान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को निशाना बनाते हैं और इससे गठबंधन की एकता को नुकसान पहुंच सकता है।

पूरा विवाद क्या है?

यह विवाद उस बयान के बाद भड़का, जिसमें गणेश नाइक के कथित तौर पर यह कहने का जिक्र हुआ कि अगर भाजपा इजाजत दे तो हम उनका अस्तित्व खत्म कर सकते हैं। यह टिप्पणी शिंदे के संदर्भ में मानी गई, जिसके बाद शिवसेना मंत्रियों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और जवाब देने की चेतावनी दी। इसी पृष्ठभूमि में नरेश म्हस्के ने महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की।

म्हस्के ने भाजपा से क्या कहा?

म्हस्के ने अपने पत्र में कहा कि शिवसेना हर राजनीतिक चुनौती का जवाब देने में सक्षम है, लेकिन सार्वजनिक मंचों पर ऐसे बयान गठबंधन के हित में नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गणेश नाइक अपनी राजनीतिक निराशा सार्वजनिक रूप से जाहिर कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने भाजपा नेतृत्व से आग्रह किया कि नाइक के बयानों और गतिविधियों की समीक्षा की जाए, इससे पहले कि उन्हें कोई और जिम्मेदारी सौंपी जाए।

क्यों बताया बयान गठबंधन के लिए खतरनाक?

म्हस्के ने कहा कि गणेश नाइक ने सार्वजनिक रूप से नवी मुंबई से शिवसेना को खत्म करने की बात कही। ऐसे बयान सहयोगी दलों के बीच अविश्वास बढ़ाते हैं। स्थानीय निकायों में मिलकर लड़े गए चुनावों पर असर पड़ता है। कार्यकर्ताओं के बीच भ्रम और टकराव पैदा होता है। महायुति की स्थिरता पर सवाल खड़े होते हैं।

महायुति का पिछला रिकॉर्ड क्या रहा है?

शिवसेना सांसद ने याद दिलाया कि भाजपा और शिवसेना ने मिलकर कई नगर निकाय चुनाव जीते हैं, जिनमें कल्याण-डोंबिवली, ठाणे और मुंबई शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दोनों दलों ने साथ मिलकर महाविकास आघाड़ी सरकार को सत्ता से हटाया और महायुति की सरकार बनाई। वैचारिक मतभेदों के बावजूद गठबंधन ने स्थिर सरकार दी है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिंदे के नेतृत्व में चल रही है।

नवी मुंबई और पुरानी प्रतिद्वंद्विता का क्या रोल?

गणेश नाइक और एकनाथ शिंदे पुराने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। नवी मुंबई लंबे समय तक गणेश नाइक का गढ़ रहा है, जहां उन्होंने ढाई दशक से ज्यादा समय तक नगर निगम पर नियंत्रण रखा। हालांकि म्हस्के ने दावा किया कि शिवसेना ने दिवंगत आनंद दिघे के नेतृत्व में नाइक को हराया था और हाल में नवी मुंबई नगर निगम में 42 सीटें जीती हैं। उन्होंने कहा कि शिवसेना के कमजोर पड़ने के दावे जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाते।

म्हस्के के पत्र को महायुति के भीतर बढ़ते असंतोष के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। शिवसेना का संदेश साफ है कि गठबंधन की मर्यादा बनी रहनी चाहिए। अब निगाहें इस पर हैं कि भाजपा नेतृत्व गणेश नाइक के बयानों पर क्या रुख अपनाता है और क्या यह विवाद समय रहते थमता है या आगे और सियासी तनाव बढ़ाता है।

मनपा मुख्यालय पर 77वां गणतंत्र दिवस समारोह

मंत्र भारत। भाईदंर

भाईदंर : सोमवार, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर, देश का 77वां गणतंत्र दिवस सुबह 08.15 बजे मीरा भायंदर मुख्यालय के परिसर में कमिश्नर और एडमिनिस्ट्रेटर

राधाबिनोद ए. शर्मा की उपस्थित मे गणतंत्र दिवस मनाया गया।सबसे पहले, सुबह 7.00 बजे घोड़बंदर स्दित छत्रपति शिवाजी महाराज की घुड़सवारी वाली मूर्ति पर माल्यार्पण करके और उन्हें श्रद्धांजलि देकर कार्यक्रम शुरू हुआ। उसके बाद, सुबह 07.45 बजे भायंदर वेस्ट गेट पर भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

इस मौके पर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एडिशनल कमिश्नर संभाजी पानपटे, एडिशनल कमिश्नर प्रियंका राजपूत, डिप्टी कमिश्नर (हेडक्वार्टर) डॉ. सचिन बांगर, डिप्टी कमिश्नर कविता बोरकर, डिप्टी कमिश्नर प्रणाली घोंगे, सिटी इंजीनियर दीपक खंबित, सभी डिपार्टमेंट हेड, ऑफिसर, फायर ब्रिगेड के लोग, महाराष्ट्र सिक्योरिटी फोर्स के लोग, म्युनिसिपल कर्मचारी वगैरह मौजूद थे।

पश्चिम रेलवे द्वारा तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से 03 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1.ट्रेन संख्या 09622/09621 बांद्रा टर्मिनस - अजमेर (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर स्पेशल को 23 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09621 अजमेर - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 22 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

2.ट्रेन संख्या 04828/04827 बांद्रा टर्मिनस - भगत की कोठी (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 04828 बांद्रा टर्मिनस - भगत की कोठी स्पेशल को 01 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 28 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

3.ट्रेन संख्या 04728/04727 वलसाड - हिसार (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 04728 वलसाड - हिसार स्पेशल को 26 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04727 हिसार - वलसाड स्पेशल को 25 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09622, 04828 एवं 04728 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 28 जनवरी, 2026 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

'थ्री आर' के अंतर्गत गणतंत्र दिवस पर अपशिष्ट प्लास्टिक से बनी बेंचों का विद्यालयों एवं संस्थानों को वितरण

विशेष अभियान 'स्वच्छ आदतों से स्वच्छ भारत' के अंतर्गत आकर्षक पहल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

गणतंत्र दिवस के अवसर पर नवी मुंबई महानगरपालिका तथा प्रोजेक्ट मुंबई के संयुक्त सहयोग से एकत्र किए गए पुनर्चक्रित सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से निर्मित बेंचों का वितरण नगर निगम क्षेत्र के विद्यालयों को नवी मुंबई महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के करकमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार एवं डॉ. राहुल गेथे, प्रशासन विभाग के उप आयुक्त श्री किसानराव पलांडे, शहर अभियंता श्री शिरीष आर्डवाड, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी श्री सत्यवान उबाले, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के उप आयुक्त डॉ. अजय गाडे, शिक्षा विभाग के उप आयुक्त श्री संघरत्ना खिल्लारे, वैद्यकीय स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत जवाडे, अतिरिक्त शहर अभियंता श्री अरविंद शिंदे, उद्यान विभाग की उप आयुक्त श्रीमती स्मिता काले तथा अन्य विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

नवी मुंबई महानगरपालिका प्लास्टिक थैलियों एवं सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को पूरी तरह रोकने तथा उसके स्थान पर कपड़े की थैलियों के उपयोग को बढ़ाने के लिए व्यापक जनजागरूकता निर्माण कर रही है। इसी प्रकार 'थ्री आर' के अंतर्गत प्लास्टिक के संग्रह, पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके लिए पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत संस्था 'प्रोजेक्ट मुंबई' के साथ समझौता ज्ञापन किया गया है तथा विभिन्न पहलों के माध्यम से 'प्लास्टिक-मुक्त नवी मुंबई' की संकल्पना को साकार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

इस पहल के अंतर्गत अब तक 4 टन तक प्लास्टिक एकत्र कर उसका पुनर्चक्रण किया गया है। जनजागरूकता के माध्यम से 47 हजार से अधिक विद्यार्थियों एवं नागरिकों तक पहुँचा गया है तथा 51 विद्यालयों ने इस पहल में सहभागिता की है।

इस उपक्रम को माइंडस्पेस रिट का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है। उनके सहयोग से प्रथम चरण में निरंतर सहभागिता करने वाले 25 विद्यालयों, 4 सोसाइटियों, 4 एनजीओ तथा 2 कॉर्पोरेट कार्यालयों को 35 गार्डन बेंच उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन्हीं बेंचों का आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'स्वच्छ भारत मिशन' के अंतर्गत प्रारंभ किए गए विशेष अभियान 'स्वच्छ आदतों से स्वच्छ भारत' के तहत प्रतिनिधिक रूप से 6 विद्यालयों–एनएमयूएमपीए स्कूल नं. 02 दिवालेगांव, एनएमयूएमपीए स्कूल नं. 117 दिवाले, एनएमयूएमपीए स्कूल नं. 10 नेरुलगांव, एमईएस विद्यामंदिर बेलापुर, विद्या भवन स्कूल सेक्टर 18 नेरुल, ज्ञानदीप सेवा मंडल स्कूल कारेवागांव–को वितरण किया गया।

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल

इंजीनियरिंग कार्यों से संबंधित सिग्नलिंग कार्य

निविदा सूचना संख्या: S&T/BRC/25-26/38/SIG दिनांक: 23-01-2026 भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए सीनियर DSTE/ वडोदरा, निविदा संख्या SandT_BRC_25-26_38_SIG के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। बोली लगाने वाले अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ केवल अंतिम तिथि और समय तक ही जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफ़र स्वीकार नहीं किए जाएंगे, और ऐसा कोई भी मैनुअल ऑफ़र मिलने पर उसे नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा। **1. कार्य का नाम और उसका स्थान:** इंजीनियरिंग कार्यों से संबंधित सिग्नलिंग कार्य (1) आणंद - गोधरा सेक्शन: 08 लेवल क्रॉसिंग को रोड अंडर ब्रिज (LC नंबर 2, 10, 13, 17, 38, 48, 54A, 64) बनाकर हटाना (2) वडोदरा मंडल: आणंद - गोधरा सेक्शन: आणंद - गोधरा सेक्शन पर ब्रिज नंबर 32, 35 और 51 का पुनर्निर्माण। (3) आणंद - गोधरा सेक्शन: उमरेठ यार्ड के बीच (ओड और डाकोर के बीच पढ़ा जाए) किमी. 22/2-4 पर लेवल क्रॉसिंग नंबर 23 को दो लेन रोड ओवर ब्रिज (ROB) बनाकर हटाना। **2. कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 1,85,70,922.90 **3. जमा की जाने वाली बयाना राशि:** ₹ 2,42,900.00 **4. ई-निविदा जमा करने और ई-निविदा खोलने की तारीख और समय:** 16.02.2026 @ 15:00 बजे और 16.02.2026 @ 15:30 बजे। **5. वेबसाइट का विवरण और स्थान के लिए नोटिस जहाँ पूरी जानकारी देखी जा सकती है आदि:** सीनियर डिविजनल सिग्नल एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर, दूसरी मंजिल-एनेक्स बिल्डिंग, D R M कार्यालय, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा - 390004 http://www.ireps.gov.in BRC 334

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेलवे ने 77वाँ गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया

विवेक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, मध्य रेलवे ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मध्य रेलवे मुख्यालय, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में 26th January, 2026 को राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

श्री गुप्ता ने आरपीएफ टुकड़ी द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण भी किया तथा अवसर की स्मृति में तिरंगे रंग के गुब्बारों का गुच्छा छोड़ा।

सभा को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने सभी रेलवे कर्मियों, उनके परिवारों तथा सम्मानित यात्रियों को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पूरी टीम को बधाई देते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि यह अत्यंत सम्मान और गर्व की बात है कि मध्य रेलवे को माननीय रेल मंत्री द्वारा 70ए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 में 5 व्यक्तिगत पुरस्कार तथा 5 शील्ड प्रदान की गई हैं।

न्होंने 24 डिविजनल शील्ड जीतने वाले डिविजनों तथा विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार के 98 व्यक्तिगत पुरस्कार विजेताओं को भी बधाई दी।

यात्रा की सुगमता पर बोलते हुए महाप्रबंधक ने सीएसएमटी-पनवेल हार्बर लाइन पर 14 एसी लोकल सेवाओं की शुरुआत तथा 2 ईएमयू रेकों में लगेज कोच को वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित कोच में परिवर्तित करने की घोषणा की।

यात्री सुरक्षा पर बोलते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है तथा अनेक फुट ओवर ब्रिज, रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज का कमीशनिंग किया गया है, साथ ही लेवल क्रॉसिंग के उन्मूलन और विभिन्न स्थानों पर पुलों एवं सीमा दीवारों के निर्माण का कार्य किया गया है। इसके अतिरिक्त 171 इंजनों में कवच प्रणाली लगाई गई है।

रेल संपर्क बढ़ाने के संदर्भ में महाप्रबंधक ने नव-उद्घाटित अहिल्यानगर-बीड नई रेल लाइन, 101 किलोमीटर नई लाइनों/मल्टीट्रैकिंग के कमीशनिंग तथा 175 ट्रैक किलोमीटर रेल विद्युतीकरण की जानकारी दी। उन्होंने आगे बताया कि

वर्ष के दौरान पुणे डिवीजन में 5 नए स्टेशन तथा मुंबई डिवीजन में 2 नए स्टेशन भी कमीशन किए गए हैं।

उन्होंने यात्री आय में 8इ वृद्धि, ज़ीरो स्क्रैप मिशन के अंतर्गत Rs.330 करोड़ की स्क्रैप बिक्री उपलब्धि तथा ऊर्जा दक्षता ब्यूरो से शून्य प्लस और शून्य लेबल प्राप्त करने के लिए संबंधित मध्य रेलवे टीमों के प्रयासों की सराहना की, जो भारत के नेट-ज़ीरो कार्बन मिशन के प्रति मध्य रेलवे के योगदान एवं प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने सभी विभागों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में की गई उपलब्धियों के लिए भी प्रशंसा की।

श्री गुप्ता ने खेल एवं कला के क्षेत्र में मध्य रेलवे का नाम रोशन करने वाले सीआर खिलाड़ियों तथा सीआर सांस्कृतिक कलाकारों को भी बधाई दी।

इस अवसर पर, सीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की अध्यक्ष श्रीमती नीता गुप्ता ने अन्य कार्यकारी सदस्यों की उपस्थिति में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मेमोरियल हॉस्पिटल, बायकुला को व्हील चेयर, वॉशिंग मशीन एवं अन्य उपयोगी सामग्री दान की।

इस अवसर पर आरपीएफ द्वारा डॉग शो तथा मध्य रेलवे सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों द्वारा वंदे मातरम् की मनमोहक प्रस्तुति भी दी गई।

गणतंत्र दिवस समारोह का यूट्यूब चैनल पर मध्य रेलवे द्वारा लाइव वेबकास्ट किया गया।

इस अवसर पर सीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की अध्यक्ष श्रीमती नीता गुप्ता अन्य कार्यकारी सदस्यों के साथ, श्री प्रतीक गोस्वामी, अतिरिक्त महाप्रबंधक, प्रधान विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे
वडोदरा मंडल

शुद्धिपत्र

निविदा संख्या DRM-BRC-169-OF-2025-26 के लिए यह शुद्धिपत्र जारी किया जाता है। सूचित किया जाता है कि IREPS पोर्टल पर अपलोड किया गया डॉक्यूमेंट विवरण "एडवांस करेक्शन स्लिप नंबर 01 से 10 GCC अप्रैल 2022" गलती से गलत फ़ाइल **"IRGCC अप्रैल 2022" के साथ अपलोड हो गया था।** गलत डॉक्यूमेंट हटा दिया गया है, और **"एडवांस करेक्शन स्लिप नंबर 01 से 10 GCC अप्रैल 2022" की सही कॉपी IREPS पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।** BRC 332

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

भुसावल मंडल में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भुसावल मंडल में 77वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 को उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल ने भुसावल स्थित रेलवे खेलकूद मैदान में ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में मंडल के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण के पश्चात मंडल रेल प्रबंधक को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), आरपीएफ डॉग स्क्वाड, नागरिक सुरक्षा, सेंट जॉन्स एम्बुलेंस, स्काउट्स और गाइड्स द्वारा अनुशासनबद्ध परेड के साथ सलामी दी गई। इसके बाद मंडल रेल प्रबंधक ने उपस्थित लोगों को महाप्रबंधक का संदेश पढ़कर सुनाया।

कार्यक्रम के दौरान भुसावल रेलवे स्कूल के छात्रों ने विविध प्रस्तुतियों के माध्यम से गणतंत्र दिवस के महत्व को उजागर किया और सांस्कृतिक नृत्यों के जरिए देशभक्ति की भावना जागृत की। इस अवसर पर आरपीएफ की ओर से 'डॉग शो' का आयोजन किया गया।

मंडल के कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट एवं प्रशंसनीय कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक द्वारा प्रशस्तिपत्र के साथ सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) सुनील कुमार सुमन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) मुकेश कुमार मीना, अन्य शाखा अधिकारी, कर्मचारी और रेलवे स्कूल के छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या DRM-BRC 170 से 171 वर्ष 2025-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004 निम्नलिखित कार्यों के लिए सीलबंद निविदाएं आमंत्रित करता है।

क्र.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में)	जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रुपये में)
1	DRM BRC 170 of 2025-26	एकता नगर - एक लूप लाइन प्रदान करना।	4,80,23,468.91	3,90,100.00
2	DRM BRC 171 of 2025-26	वडोदरा डिवीजन: - CTR(P) 7.002 Tkm पैसेंजर लूप पर (CTR(P)-6.260 Tkm ST-BRC सेक्शन में और CTR(P) - 0.742 Tkm BRC-GDA सेक्शन में), CRR, CSR, आदि जैसे कैज़ुअल रिन्यूअल कार्य। P और C-92 सेट का TTR (TSR), 52 kg P और C और अप्रोच रेल को 60 kg में बदलना, मियागाम कर्जन यार्ड में लूप लाइन नंबर 2 का CSR बढ़ाना, और Sr. DEN-साउथ - BRC के अधिकार क्षेत्र में अन्य संबंधित ट्रैक रिन्यूअल कार्य।	7,57,92,072.43	5,29,000.00

निविदा प्रस्तुत करने तथा निविदा खोलने की तिथि एवं समय: निविदा दिनांक **13.02.2026** को **15.00** बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है तथा उसी तिथि को **15.30** बजे खोली जानी है। **वेबसाइट विवरण तथा उस स्थान के निर्देश जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है कार्यालय का पता: वेबसाइट: www.ireps.gov.in.** मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा -390 004. BRC 333

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा मेट्रो कनेक्टिविटी को मंज़ूरी

परियोजना शुरू होने से पहले भूमि अधिग्रहण सहित सभी अनुमतियों की प्रक्रिया पूरी की जाए– मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

गडचिरोली ज़िले में खनिज परिवहन के लिए नवेगांव मोर से सुरजागढ़ तक चार लेन सीमेंट कंक्रीट महामार्ग की संशोधित रूपरेखा को मंज़ूरी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बीच मेट्रो मार्गिका 8 की 35 किलोमीटर लंबी कनेक्टिविटी को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंत्रालय में आयोजित मंत्रिमंडल आधारभूत सुविधा समिति की बैठक में मंज़ूरी दी गई। इसके साथ ही 66 किलोमीटर लंबे नासिक शहर परिक्रमा मार्ग को महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल के माध्यम से विकसित करने तथा गडचिरोली ज़िले में खनिज परिवहन के लिए नवेगांव मोर से सुरजागढ़ तक चार लेन सीमेंट कंक्रीट महामार्ग की संशोधित योजना को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

आधारभूत सुविधा परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण तथा सभी प्रकार की अनुमतियाँ प्राप्त करने की प्रक्रिया परियोजना शुरू होने से पहले पूरी करने के निर्देश मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि किसी भी आधारभूत सुविधा परियोजना को भूमि

अधिग्रहण के बाद अगले तीन वर्षों के भीतर पूर्ण किया जाए।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आधारभूत सुविधा परियोजनाओं के कार्य समय पर पूरे किए जाएँ। किसी भी परिस्थिति में कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि कार्य पूर्ण होने में विलंब होने पर परियोजना लागत में वृद्धि होती है। नागपुर से गोंदिया तथा भंडारा से गडचिरोली तक समृद्धि महामार्ग के विस्तारित कार्यों को गति दी जाए। परियोजना का कार्यादेश देते समय ही उसे अगले तीन वर्षों में पूरा करने की शर्त निर्धारित की जाए।

परियोजना निर्धारित समय-सीमा में पूरी होने पर ठेकेदार को प्रोत्साहन राशि तथा निर्धारित अवधि से अधिक समय लगने पर दंड की व्यवस्था वाली 'ऑटो मोड' प्रणाली विकसित करने के निर्देश भी दिए गए। गडचिरोली ज़िले में महामार्ग का कार्य करते समय सड़क के किनारे गैस पाइपलाइन के लिए स्थान उपलब्ध होने की सुनिश्चितता करने को कहा गया। भविष्य में सुरजागढ़ तक गैस पाइपलाइन कार्यान्वित की जाएगी, इसके लिए अभी से महामार्ग के किनारे स्थान का प्रावधान किया जाए, ऐसा भी मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा।

बैठक में उपमुख्यमंत्री अजित पवार, मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल, अपर मुख्य सचिव (वित्त) ओ. पी. गुप्ता, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल के प्रबंध निदेशक डॉ. अनिल गायकवाड, महाराष्ट्र राज्य आधारभूत विकास महामंडल के प्रबंध निदेशक ब्रिजेश दीक्षित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव (सार्वजनिक निर्माण विभाग) मनीषा म्हैसकर तथा सिडको के प्रबंध निदेशक विजय सिंघल ने प्रस्तुतीकरण दिया।

राज्य में 3.37 लाख मीट्रिक टन तुअर खरीद को केंद्र की मंज़ूरी – पणन मंत्री जयकुमार रावल

मुंबई। महाराष्ट्र के तुअर उत्पादक किसानों के हित में केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राज्य में 3.37 लाख मीट्रिक टन तुअर की खरीद के लिए केंद्र सरकार ने मंज़ूरी दी है, यह जानकारी पणन मंत्री जयकुमार रावल ने दी।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ पणन मंत्री जयकुमार रावल की एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। इसी बैठक में यह निर्णय लिया गया, जिससे राज्य के लाखों तुअर उत्पादक किसानों को प्रत्यक्ष लाभ होगा।

पणन मंत्री जयकुमार रावल ने बताया कि सन 2025-26 के सीज़न के लिए महाराष्ट्र के तुअर उत्पादक किसानों से 3.37 लाख मीट्रिक टन तुअर की खरीद को केंद्र सरकार ने स्वीकृति दी है। तुअर की खरीद आठ हजार रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी। इस खरीद के लिए 20 जनवरी 2026 से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और 20 फरवरी 2026 तक पंजीकरण जारी रहेगा।

यह खरीद प्रक्रिया नाफेड और एनसीसीएफ जैसी केंद्रीय संस्थाओं के माध्यम से राज्य सरकार के समन्वय से संचालित की जाएगी। इसके लिए राज्यभर में 934 खरीद केंद्र कार्यान्वित किए गए हैं। इस वर्ष राज्य में तुअर उत्पादन का अनुमान 13.51 लाख मीट्रिक टन है। साथ ही पिछले सीज़न में राज्य के 85 हजार किसानों से 13 लाख 33 हजार 128 क्विंटल तुअर की खरीद की गई थी, यह जानकारी भी मंत्री रावल ने दी।

तुअर खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और तेज़ गति से संचालित करने के स्पष्ट निर्देश संबंधित तंत्र को दिए गए हैं। आवश्यकता पड़ने पर राज्य की 100 प्रतिशत तुअर खरीद के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा, ऐसा भी पणन मंत्री जयकुमार रावल ने बताया।

महाराष्ट्र के सोलापुर में दर्दनाक हादसाः

ट्रक ने श्रद्धालुओं से भरी वैन को मारी टक्कर, बच्चे समेत 4 की मौत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने श्रद्धालुओं से भरी एक वैन को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार देर शाम मंगलवेधा तालुका के पास देगांव शिवारा गांव के नजदीक हुई।

मंदिरों में दर्शन करने निकले थे सभी श्रद्धालु

पुलिस के मुताबिक, ठाणे के डोंबिवली (पश्चिम) क्षेत्र उमेशनगर इलाके से 12 श्रद्धालु और उनके कुछ रिश्तेदार दो दिन पहले धार्मिक यात्रा पर निकले थे। वे सोलापुर, कोल्हापुर और आसपास के मंदिरों में दर्शन कर रहे थे। धाराशिव जिले के तुलजा भवानी मंदिर और अन्य मंदिरों में दर्शन करने के बाद वे पंढरपुर जा रहे थे, जहां भगवान विट्ठल और देवी रुक्मिणी का मंदिर है। शाम करीब 7.30 बजे ट्रक ने उनकी वैन को टक्कर मार दी।

एक बच्चा, 3 महिलाओं की मौत

पुलिस ने बताया कि हादसे में सोनम अहिरे, सविता गुप्ता और योगिनी केकाने की मौके पर ही मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल बच्चे ने सोलापुर के सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'ट्रक बहुत तेज

गति से आ रहा था और वैन से सामने से टकरा गया। वैन का आगे का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया।' पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

ट्रक ड्राइवर को हिरासत में लिया गया

डोंबिवली में पीड़ितों के परिवार वालों ने बताया कि यह यात्रा लंबे वीकेंड के चलते प्लान की गई थी। केकाने परिवार के एक रिश्तेदार ने बताया कि वे पंढरपुर दर्शन करके घर लौटने वाले थे, पर बीच रास्ते ही यह हादसा हो गया। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि ज्यादातर पीड़ित उमेशनगर के शेवंता हाइट्स बिल्डिंग में रहते थे। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

घायलों का उपचार जारी

हादसे में घायल महिलाओं और बच्चों को सोलापुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है। हादसे की खबर मिलते ही राज्य भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने सोलापुर क्षेत्र अधिकारियों से बात की और घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए।

राज्य में मोटे अनाज आधारित उपक्रमों को गति देने के लिए विशेष कार्यदल की आवश्यकता– कृषि विभाग के अपर मुख्य सचिव विकासचंद्र रस्तोगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कम पानी में टिकने वाली फसल के रूप में मोटे अनाज को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रकृति के अनुकूल तथा कम पानी में उगने वाली बाजरा, ज्वार, रागी जैसी मोटे अनाज की फसलों के उत्पादन में राज्य अग्रणी है। राज्य में गुणवत्तापूर्ण मोटे अनाज की बुवाई से लेकर बिक्री तक के लिए बाज़ार उपलब्ध कराने तथा मोटे अनाज के उत्पादन और विपणन के समन्वय हेतु राज्य स्तरीय मोटे अनाज टास्क फोर्स की स्थापना आवश्यक है, ऐसा कृषि विभाग के अपर मुख्य सचिव विकासचंद्र रस्तोगी ने कहा।

सह्याद्री अतिथिगृह में कृषि विभाग और एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कृषि विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव रस्तोगी बोल रहे थे। इस चर्चा सत्र में शोधकर्ता, किसान प्रतिनिधि तथा मोटे अनाज क्षेत्र के संबंधित विशेषज्ञ उपस्थित थे।

बड़े मोटे अनाज में ज्वार और बाजरा तथा छोटे मोटे अनाज में रागी, भगर, राळ, कोद्रो, सावा, वरी, छोटा सावा शामिल हैं। छोटे मोटे अनाज को विभिन्न क्षेत्रों में नागली, मोर, भादली, कांगणी जैसे अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। राज्य की जलवायु के अनुरूप इन मोटे अनाज फसलों के विस्तार की संभावनाओं पर गहन चर्चा की गई। मोटे अनाज तथा अन्य संबंधित दुर्लभ फसलों का उच्च पोषण मूल्य होने के कारण इन्हें सभी के लिए उचित दरों पर उपलब्ध कराना आवश्यक है। मोटे अनाज से बने उत्पादों की मांग बढ़ाने के लिए यदि उनके स्वाद, रंग और प्रस्तुति पर अधिक ध्यान दिया जाए, तो विशेष रूप से युवा पीढ़ी में इन पोषणयुक्त अनाजों की मांग बढ़ सकती है। लघु एवं सीमांत किसानों की आय बढ़ाने की क्षमता विकसित करने के लिए शासन विभिन्न प्रयास कर रहा है। जलवायु में बढ़ती अनिश्चितता और बड़े पैमाने पर वर्षा पर निर्भरता को देखते हुए महाराष्ट्र जैसे राज्य के लिए मोटे अनाज की फसलें विशेष महत्व रखती हैं। हालांकि मूल्य श्रृंखला में बाधाएँ, गुणवत्तापूर्ण बीजों की कमी, बाज़ार की अपर्याप्त उपलब्धता तथा उपभोक्ताओं में जागरूकता और मांग की कमी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए शासन का यह टास्क फोर्स कार्य करेगा।

वरनामा और मकरपुरा के बीच ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनों को रेगुलेट किया जाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सूरत-वडोदरा सेक्शन में वरनामा - मकरपुरा के बीच ब्रिज नंबर 570 के मौजूदा स्टील गर्डर्स को PSC स्लैब से बदलना हेतु अप लाइन पर 28 जनवरी एवं डाउन लाइन पर 29 जनवरी को ब्लाक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी।

वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 28 और 29 जनवरी , 2026 को प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः-

28 जनवरी को रेगुलेट होने वाली ट्रेनेंः-

1.ट्रेन संख्या 19020 हरिद्वार - बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 28 जनवरी , 2026 को 1 घंटे 10 मिनट रेगुलेट होगी।

2.ट्रेन संख्या 19012 दाहोद - वलसाड एक्सप्रेस 28 जनवरी , 2026 को 1 घंटे 10 मिनट रेगुलेट होगी।

3.ट्रेन संख्या 59050 वडोदरा - वलसाड पैसेंजर 28 जनवरी , 2026 को 40 मिनट रेगुलेट होगी।

29 जनवरी को रेगुलेट होने वाली ट्रेनेंः-

1.ट्रेन संख्या 12656 पुरैची थलाइवर - अहमदाबाद सुपरफास्ट 29 जनवरी ,2026 को 1 घंटे 10 मिनट रेगुलेट होगी।

2.ट्रेन संख्या 09724 बांद्रा टर्मिनस - जयपुर स्पेशल 29 जनवरी, 2026 को 1 घंटे रेगुलेट होगी।

3.ट्रेन संख्या 12471 बांद्रा टर्मिनस - श्री माता वैष्णो देवी कटरा सुपरफास्ट 29 जनवरी, 2026 को 30 मिनट रेगुलेट होगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखकर यात्रा करें। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

गणतंत्र दिवस पर आशिर्वाद फाऊँडेशन का झंडारोहण एंव समुद्र तटीय स्वच्छता अभियान

स्वच्छ पर्यावरण, सशक्त समाज और जागरूक राष्ट्र निर्माण पर जोर देने का संकल्प

भायंदर : मंत्र भारत

देश के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आशिर्वाद फाऊँडेशन द्वारा मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के सहयोग से सामाजिक एकजुटता और पर्यावरण संरक्षण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर जैसल चौपाटी समुद्री तट पर संयुक्त रूप से झंडारोहण तथा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम 26 जनवरी 2026 को प्रातः सुबह 7 बजे से 9 बजे तक सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत जैसल पार्क चौपाटी गेट नंबर 2 पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में गणतंत्र दिवस के झंडारोहण से हुई। राष्ट्रध्वज फहराने के पश्चात सभी उपस्थितजनों ने राष्ट्र निर्माण और स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।इसके बाद जैसल चौपाटी गेट नंबर 1 से लगते समुद्री तटीय क्षेत्र में व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें प्लास्टिक कचरा, समुद्र तट पर फैला अपशिष्ट तथा अन्य गंदगी को एकत्र कर उचित निपटान किया गया।इस अवसर पर आशिर्वाद फाऊँडेशन के सभी पदाधिकारी, मनपा के सफाई कर्मचारी, पुलिस विभाग के जवान एवं समुद्री कोस्ट गार्ड के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर स्वच्छ और सुरक्षित समुद्री तट का संदेश समाज को दिया।गौरतलब है कि

आशिर्वाद फाऊँडेशन पिछले कुछ महीनों में अपने सामाजिक और पर्यावरणीय कार्यों के कारण विशेष चर्चा में रहा है।15 अगस्त 2025 को उत्तन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन सितंबर 2025 में महानगरपालिका की लाइब्रेरियों को पुस्तकों का दाननवंबर 2025 में दादर स्थित समुद्री तट की व्यापक सफाई तथा जनवरी 2026 मे बांद्रा के कार्टर रोड स्थित तटीय क्षेत्र के आस पास मैंग्रोव क्षेत्र के सफाई और स्वच्छता अभियान चलाया गया था। ऐसे कई उल्लेखनीय कार्य संस्था द्वारा निरंतर किए गए हैं।आशिर्वाद फाऊँडेशन ने यह संदेश दिया कि स्वच्छ पर्यावरण, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्रभक्ति–ये तीनों मिलकर ही सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। संस्था ने भविष्य में भी इसी तरह के जनजागरूकता और सामाजिक कार्यक्रमों को जारी रखने का संकल्प दोहराया। फाऊँडेशन ने मनपा सफाई कर्मी और मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियो का सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

नेशन फर्स्टः कॉन्सेप्ट पर स्कुली बच्चो का गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम

मंत्र भारत। भाईदंर

भाईदंरः सोमवार, 26 जनवरी को, देश के 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर, राज्य सरकार के निर्देश पर, मीरा भयंदर मनपा एजुकेशन डिपार्टमेंट की तरफ से 'नेशन फर्स्ट' के कॉन्सेप्ट पर एक मार्क ड्रिल मार्च प्रोग्राम रखा गया। यह प्रोग्राम झंडारोहण कार्यक्रम के बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान में खत्म हुआ।

इस कार्यक्रम में मीरा भायंदर मनपा कमिश्नर और एडमिनिस्ट्रेटर, राधाबिनोद शर्मा, की मौजूद मै हुआ। उनकी मौजूदगी में, स्टूडेंट्स ने एक डिसिप्लिन्ड और रिदम वाला ड्रिल मार्च पेश किया। प्रोग्राम में म्युनिसिपल स्कूलों के लगभग 1000 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। देशभक्ति के गानों की धुन पर छात्रो द्वारा पेश किए गए मार्च मे मैदान

में देशभक्ति, एकता, डिसिप्लिन और ड्यूटी की भावना का माहौल बना दिया। इस पहल का मुख्य मकसद स्टूडेंट्स में नेशन फर्स्ट के विचारों के बारे में अवेयरनेस पैदा करना था, साथ ही देशभक्ति, देशभक्ति, सेल्फ-डिसिप्लिन और हेल्थ अवेयरनेस की भावना पैदा करना था। स्टूडेंट्स के अपने आप शामिल होने की वजह से प्रोग्राम सफल रहा।

कोसंबा स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य हेतु ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें रद्द रहेंगी

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के सूरत-वडोदरा सेक्शन में स्थित कोसंबा स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य हेतु इंजीनियरिंग ब्लॉक लिया जाएगा। इस ब्लॉक के कारण 28 जनवरी 2026 (बुधवार) को कुछ ट्रेनें रद्द रहेंगी। जिसका विवरण इस प्रकार हैः

पूर्णतः रद्द ट्रेनें

1. ट्रेन नं 59049 वलसाड - वडोदरा पैसेंजर ट्रेन 28 जनवरी को रद्द रहेगी

2. ट्रेन नं 59050 वडोदरा - वलसाड पैसेंजर ट्रेन 28 जनवरी को रद्द रहेगी

3. ट्रेन नं 69150 भरूच - सूरत मेमू ट्रेन 28 जनवरी को रद्द रहेगी

आंशिक रूप से रद्द

1. 28 जनवरी 2026 को ट्रेन नं 19101 विरार - भरूच एक्सप्रेस ट्रेन सूरत तक चलेगी तथा सूरत - भरूच के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखकर यात्रा करें। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सम्पादकीय

मनोबल की नांव है जीवन के तूफानों में सफलता का एकमात्र आधार

जीवन एक अथाह समुद्र के समान है- कभी शांत, कभी उग्र। जीवन में परिस्थितियों की लहरें जब उठती हैं तो मनुष्य के भीतर छिपे भय, आशंकाएं और अनिश्चितताएं सतह पर आ जाती हैं। ऐसे प्रतिकूल समय में जो एकमात्र साधन हमें डूबने से बचाए रखता है, वह है मनोबल। मनोबल दरअसल उस नौका की तरह है जो भयंकर तूफानों के बीच भी हमें दिशा देती है, संतुलन सिखाती है और किनारे तक पहुंचने की उम्मीद बनाए रखती है।

साधन अल्प और अपर्याप्त हों, परिस्थितियां विपरीत हों तथा भविष्य धुंधला दिख रहा हो, फिर अगर मनोबल सुदृढ़ है, तो यात्रा की सफलता सुनिश्चित है। मनोबल कोई जन्मजात उपहार नहीं है, बल्कि यह अनुभवों, विश्वासों और मूल्यों से निर्मित एक जीवंत शक्ति है। यह आत्मविश्वास से थोड़ा-सा अलग है, लेकिन उसके साथ गहराई से जुड़ा है।

आत्मविश्वास अक्सर क्षणिक उपलब्धियों से पोषित होता है, जबकि मनोबल दीर्घकालिक धैर्य, संकल्प और आशा से निर्मित होता है। जब पराजय सामने खड़ी हो, तब क्षण भर के लिए आत्मविश्वास तो डगमगा सकता है, लेकिन मनोबल हाथ थामे रखता है और कहता है। आज प्रतिस्पर्धा की तीव्रता, सूचना का अतिभार, सामाजिक तुलना और त्वरित सफलता के दबाव ने मन को अस्थिर बना दिया है।

असफलता को जीवन का स्वाभाविक पड़ाव मानने के बजाय उसे यात्रा का अंत समझ लिया जाता है। इसलिए मनोबल की नौका बार-बार डगमगाती है। तूफान तो आएंगे ही। प्रश्न यह है कि हमारे मनोबल की नौका कितनी मजबूत है। जिसके जीवन में उद्देश्य सुस्पष्ट होता है, उसके लिए बड़ी से बड़ी कठिनाइयां और विषम परिस्थितियां भी अर्थपूर्ण हो जाती हैं। निश्चित और दिशायुक्त उद्देश्य संघर्ष को भी निश्चित दिशा प्रदान करता है।

उद्देश्य कोई बहुत विशाल लक्ष्य ही हो, यह आवश्यक नहीं है। उद्देश्य के रूप में ईमानदारीयुक्त श्रम, सेवा-भाव या आत्म-विकास का संकल्प भी हो सकता है। दूसरा महत्त्वपूर्ण आधार है अनुशासन और नियमितता। मनोबल आकस्मिक प्रेरणा से नहीं, बल्कि सतत और नियमित अभ्यास से सुदृढ़ होता है। समय पर उठना, कार्य को टालने की प्रवृत्ति से बचना तथा छोटे-छोटे लक्ष्यों को पूरा करना- ये सब मन के भीतर विश्वास का निर्माण करते हैं।

प्रत्येक कृतपूर्ण लघु लक्ष्य मनोबल की नौका में एक मजबूत पटरा जोड़ देता है। तीसरा आधार है- सकारात्मक संवाद। हम स्वयं से क्या कहते हैं, यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। नकारात्मक आत्मसंवाद मनोबल को भीतर से खोखला कर देता है। इसके विपरीत, यथार्थवादी और आशामय संवाद, जो कठिनाइयों को अंगीकार करते हुए समाधान खोजता है, मनोबल की नौका के लिए पतवार की भूमिका अदा करता है।

एक बात विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि यहां विवेकरहित आशा नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण तथा उद्देश्यपरक आशा की बात है।चौथा आधार है- परस्पर सहयोग, समन्वय और संबंध। मनोबल की नौका दरअसल एक पतवार से नहीं चलती। इसको गति प्रदान करने के लिए अनेक पतवारों का होना अनिवार्य है। परिवार, मित्र, समाज और सहकर्मी- ये सभी हमारे मनोबल की नौका के सहयात्री हैं।

संकट में साझा किया गया दुख परिमाण में आधा रह जाता है और साझा की गई आशा परिमाण में दोगुनी हो जाती है। समाज में संवाद और संवेदना का अभाव मनोबल को कमजोर करता है, इसलिए स्वस्थ संबंधों का निर्माण नितांत आवश्यक है। धैर्य व्यक्ति को समय के साथ तालमेल बिठाकर चलना सिखाता है, नौका को लहरों के साथ संतुलन में रखता है। धैर्य का अर्थ निष्क्रियता नहीं, निरंतर, लेकिन बिना विचलित हुए शांतिपूर्वक प्रयत्न है।

यह एक ऐसा अमूल्य गुण है जो व्यक्ति को थकान के क्षण में भी उत्साहपूर्वक एक कदम और बढ़ाने की शक्ति देता है। आध्यात्मिकता भी मनोबल की नौका को आवेग प्रदान करती है। यहां आध्यात्मिकता से आशय किसी संकीर्ण धार्मिक अर्थ में नहीं, बल्कि जीवन के व्यापक अर्थ-बोध के रूप में है। जब व्यक्ति अपने जीवन को किसी बड़े उद्देश्य से जोड़ता है, तब छोटी असफलताएं उसे तोड़ नहीं पातीं।

उद्देश्य की ओर देख कर ही मनोबल की दिशा तय होती है। बिना उद्देश्य के मनोबल क्षणिक एवं अस्थायी होता है, जबकि उद्देश्य के साथ वह दीर्घकालिक रूप ग्रहण कर लेता है। मनोबल की नौका की गतिशीलता को बनाए रखने के लिए स्वयं की देखभाल अनिवार्य है। शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, पर्याप्त विश्राम और ध्यान- ये सभी मन के महासागर में उठने वाली लहरों को शांत करते हैं। थका हुआ मन छोटी-सी चुनौती में भी घबरा जाता है, जबकि संतुलित मन बड़े से बड़े संकट का बखूबी सामना कर सकता है।

यूजीसी के नए नियम और शिक्षा-परिसरों में उभरता असंतोष

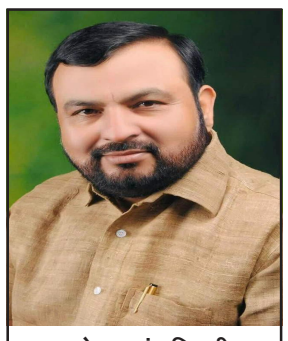

प्रो दयानंद तिवारी
सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

देश के शैक्षणिक जगत में इन दिनों एक असामान्य बेचैनी व्याप्त है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में हो रहे विरोध प्रदर्शन केवल किसी एक नियम के विरुद्ध नहीं हैं, बल्कि वे उस भय, भ्रम और असुरक्षा की अभिव्यक्ति हैं, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा हाल ही में अधिसूचित Promotion of Equity in Higher Education Institutions Regulations, 2026 के बाद अनेक परिसरों में महसूस की जा रही है। प्रश्न यह नहीं है कि सामाजिक न्याय आवश्यक है या नहीं–प्रश्न यह है कि क्या न्याय भय के वातावरण में फल-फूल सकता है?

इस नियमन का घोषित उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव जैसी अमानवीय प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाना, वंचित वर्गों के विद्यार्थियों को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण देना तथा शिकायतों के निवारण हेतु एक संस्थागत ढांचा खड़ा करना है। उद्देश्य निस्संदेह प्रशंसनीय है। किंतु जिस प्रकार से नियम का संदेश समाज में पहुँचा और जिस भाषा में उसके कुछ प्रावधानों की चर्चा आम विमर्श में हुई, उसने अनेक छात्रों और शिक्षकों के मन में यह आशंका पैदा कर दी कि किसी भी शिकायत के आधार पर वे तुरंत कठोर कानूनी दायरे में आ सकते हैं। यही आशंका आज असंतोष का मुख्य कारण बनती दिख रही है।

यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि यूजीसी कोई न्यायालय नहीं है, न वह किसी को सीधे गिरफ्तार कर सकता है, न ही जेल भेज सकता है। फिर भी यह भी उतना ही सच है कि हमारे देश में कुछ कठोर कानून पहले से मौजूद हैं, जिनका सामाजिक और मानसिक प्रभाव गहरा है। जब इन कानूनों का संदर्भ बिना पर्याप्त स्पष्टीकरण के शैक्षणिक नियमों के साथ जोड़कर देखा जाता है, तो भय का जन्म होना स्वाभाविक है। परिणाम यह होता है कि नियम के मूल उद्देश्य–समता और गरिमा–के बजाय बहस का केंद्र 'डर' बन जाता है। समस्या नियम में कम, उसके संतुलन, शब्द-निर्धारण और क्रियान्वयन की स्पष्टता में अधिक है।

शिक्षा-परिसर स्वभावतः विचार, संवाद, प्रश्न और विवेक का क्षेत्र है। यहाँ अनुशासन भी आवश्यक है और स्वतंत्रता भी; यहाँ व्यवस्था भी चाहिए और आलोचना का अधिकार भी। यदि किसी शिक्षक को यह आशंका बनी रहे कि परीक्षा-मूल्यांकन, उपस्थिति, कक्षा-व्यवहार या विभागीय निर्णय किसी भी क्षण 'उत्पीड़न' की श्रेणी में डाल दिए जाएंगे, तो वह निर्भय होकर मार्गदर्शन कैसे करेगा? और यदि छात्र को लगे कि हर निर्णय संदेह और भय की छाया में लिया जा रहा है, तो वह खुले मन से सीख कैसे सकेगा? जब संस्थान शंका के आधार पर चलने लगें, तब ज्ञान का वातावरण सिकुड़ने लगता है।

परन्तु यहाँ एक दूसरी सच्चाई भी उतनी ही कठोर है जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। आज भी अनेक संस्थानों में सूक्ष्म और प्रत्यक्ष भेदभाव मौजूद है। कई बार वंचित वर्गों के विद्यार्थियों की भाषा, पहनावा, भोजन, मित्रता, आवास, या सामाजिक पहचान पर छींटाकशी होती है; और शिकायत करने पर उन्हें 'समझौता कर लो' कहकर चुप कर दिया जाता है। जिनके अनुभव में लंबे समय तक उपेक्षा, अपमान और असमानता रही हो, उनसे यह अपेक्षा करना कि वे केवल 'भरोसा' करके चुप रहें–यह न्याय नहीं। इसलिए नियमों के पीछे का नैतिक उद्देश्य–सम्मान और समता–अवश्य कायम रहना चाहिए।

यही वह बिंदु है जहाँ संतुलन की जरूरत सबसे अधिक है। न्याय की कोई भी व्यवस्था तब तक विश्वसनीय नहीं बनती, जब तक वह पीड़ित की सुरक्षा और आरोपित के लिए निष्पक्ष प्रक्रिया–दोनों का समान रूप से संरक्षण न करे। यदि प्रक्रिया अस्पष्ट होगी, तो वास्तविक पीड़ित भी न्याय पाने के बजाय लंबी खींचतान में फँस सकता है; और यदि झूठे या दुर्भावनापूर्ण आरोपों की संभावना को रोका नहीं गया, तो भय और अविश्वास पूरे परिसर को ग्रस लेगा। इसीलिए नियमों की सफलता का पैमाना यह नहीं कि वे कितने 'कठोर' हैं, बल्कि यह है कि वे कितने स्पष्ट, निष्पक्ष और व्यावहारिक हैं।

सरकार की ओर से यह कहना कि नियमों का दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा–आश्वस्त करता है। लेकिन केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं। भरोसा तब बनता है जब व्यवस्था में लिखित और दृश्यमान सुरक्षा-रेलिंग हों–ऐसी रेलिंग जो दोनों पक्षों को यह भरोसा दें कि निर्णय भावनाओं या दबाव में नहीं, तथ्य और प्रक्रिया के आधार पर होंगे। आज आवश्यकता है कि सरकार और यूजीसी इस असंतोष को 'उपद्रव' या 'विरोध' कहकर खारिज न करें, बल्कि इसे एक संकेत मानें कि संचार और क्रियान्वयन में स्पष्टता बढ़ाए बिना अच्छे उद्देश्य भी अविश्वास की भेंट चढ़ सकते हैं।

समाधान के लिए कुछ ठोस कदम तत्काल उठाए जा सकते हैं।

पहला, नियमों में प्रयुक्त शब्दों और व्यवहार-श्रेणियों का स्पष्ट वर्गीकरण जारी किया जाए–क्या अनुशासनात्मक है और क्या वास्तव में भेदभाव/उत्पीड़न की श्रेणी में आता है, यह उदाहरणों सहित बताया जाए।

दूसरा, किसी भी शिकायत पर कठोर निष्कर्ष या कार्रवाई से पहले स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध प्राथमिक जांच अनिवार्य हो, ताकि जल्दबाज़ी में किसी की प्रतिष्ठा और करियर नष्ट न हो।

तीसरा, यदि शिकायत दुर्भावनापूर्ण या झूठी सिद्ध हो, तो उसके लिए भी प्रभावी दंड, अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तभी संतुलन बनेगा।

चौथा, शिक्षक, प्रशासन और छात्रों–तीनों के लिए कानूनी-साक्षरता और संवेदनशीलता प्रशिक्षण नियमित रूप से चलाया जाए ताकि अफ़वाहें तथ्य से पराजित हों।

और सबसे महत्वपूर्ण, नीति-निर्माण व लागू करने की प्रक्रिया में संवाद को जगह दी जाए–कैंपस का भरोसा बैठकों, खुले मंचों और पारदर्शी प्रक्रिया से ही बहाल होगा।

शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि विवेक, समरसता और लोकतांत्रिक चेतना का निर्माण करना है। यदि विश्वविद्यालय भय के केंद्र बन जाएंगे, तो समाज को निर्भीक नागरिक कैसे मिलेंगे? इसलिए आज जरूरत है टकराव की नहीं, विश्वास की पुनर्स्थापना की। जहाँ वंचित का अपमान रोका जाए और निर्दोष को डर से मुक्त रखा जाए। सामाजिक न्याय और निष्पक्ष प्रक्रिया एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं; वे एक ही लोकतांत्रिक मूल्य-व्यवस्था के दो स्तंभ हैं। यूजीसी, सरकार और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर ऐसा ढांचा बनाना होगा जहाँ असमानता के विरुद्ध शून्य सहनशीलता हो, पर न्याय के विरुद्ध शून्य अस्पष्टता भी। यही संतुलन शिक्षा-परिसरों को फिर से गरिमा, भरोसे और ज्ञान का घर बना सकेगा।

दुनिया में गहरा रहा जल संकट, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट की डरावनी चेतावनी ने बढ़ाई टेंशन

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है।

जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है।

समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुनः सामान्य हो जाएंगे।

मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा।

अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए। हम दिवालियापन को व्यक्ति के आर्थिक रूप से कंगाल होने के संदर्भ में ही समझते आए हैं। जब कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से दिवालिया होता है, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि दुनिया से पैसा खत्म हो गया है। पैसा रहता है लेकिन उस व्यक्ति की आमदनी, खर्च और कर्ज के बीच का संतुलन बिगड़ जाता है। इसी तरह दुनिया में पानी मौजूद है, लेकिन उसकी उपलब्धता, उसके उपयोग और उसके पुनर्भरण के बीच संतुलन तेजी से टूट रहा है। हम भू-गर्भ से जितना पानी निकाल रहे हैं, उतना पुनर्भरण नहीं कर रहे हैं। यानी जल खाता खाली हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के शोधकर्ताओं ने रपट में जो कुछ कहा है, उसके अनुसार इस असंतुलन की जड़ें दशकों पुरानी हैं। भूजल के अंधाधुंध दोहन, नदियों को गंदे नालों में बदल दिए जाने, वनों की कटाई, मिट्टी के क्षरण और जलवायु परिवर्तन ने मिलकर पानी की प्राकृतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। जब पानी प्रदूषित हो जाता है, तो वह मौजूद होते हुए भी उपयोग के लायक नहीं रहता। जब भूजल जरूरत से ज्यादा निकाला जाता है, तो वह वापस भरने से पहले ही खत्म हो जाता है।

धीरे-धीरे यह स्थिति एक ऐसी सीमा पर पहुंच जाती है, जहां से लौटना बेहद मुश्किल हो जाता है। यह बात भी सच है कि इस संकट का असर सब पर बराबर नहीं पड़ता। जिस प्रकार आर्थिक दिवालियापन में सबसे पहले गरीब तबके टूटते हैं, वैसे ही जल संकट और जल दिवालियापन का सबसे बड़ा बोझ भी कमजोर वर्गों पर पड़ना स्वाभाविक है। छोटे किसानों, आदिवासियों, शहरी गरीब बस्तियों, महिलाओं और युवाओं के जीवन पर सबसे पहले इसका प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत जिन संपन्न एवं शक्तिशाली वर्गों ने सबसे ज्यादा पानी का दोहन किया होता है, उसके लाभ तो अक्सर उन्हीं तक सीमित रहते हैं, लेकिन इसके दुष्परिणाम दूसरों को भुगतने पड़ते हैं।

भारत के संदर्भ में देखें, तो संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी और भी गहरी चिंता पैदा करने वाली है। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा हमारे देश में है, पर उसके हिस्से में उपलब्ध मीठा पानी सीमित है। इसके बावजूद भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जो सबसे ज्यादा भूजल दोहन कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। कुएं सूख रहे हैं, हैंडपंप में पानी नहीं आ रहा और हर साल गहरे नलकूप खोदे जा रहे हैं।

हमारी नदियों की हालत भी सबके सामने है। कई नदियां मृत कही जाने लगी हैं, तो कई अब वर्षाकाल तक सीमित हो गई हैं। शहरों में तालाब और झीलें या तो पाट दी गई हैं या गंदे पानी का भंडार बन चुकी हैं। वर्षा जल व्यर्थ बह जाता है, उसे सहेजने के उपाय नहीं हो रहे। तमाम मुश्किलों के बावजूद यह तय है कि हमारे यहां पानी मौजूद है, मगर हम उसका प्रबंधन नहीं कर पा रहे हैं। जाहिर है, भारत में भी जल संकट प्राकृतिक से अधिक नीतिगत है। ऐसे उद्योगों की स्थापना पर चिंता व्यक्त की जा रही है, जिनमें जल खपत अत्यधिक होती है। खेती में ज्यादा सिंचाई की जरूरत वाली फसलों को बढ़ावा दिया जाना भी एक बड़ा कारण है। सस्ती या मुफ्त बिजली देने के निर्णयों ने भूजल दोहन को और बढ़ा दिया है। औद्योगिक और शहरी प्रदूषण ने उपलब्ध जल को अनुपयोगी बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। अगर हम जल संकट से पार पाना चाहते हैं, तो हमें सबसे पहले यह मानना होगा कि पानी असीमित नहीं है।

भूजल को निजी संपत्ति मानने की सोच में बदलाव लाना होगा। भूगर्भ में मौजूद पानी सामूहिक धरोहर है और उसकी रक्षा करना भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जल संकट और खेती के बीच गहरा संबंध है। हमें खेती में फसलों के चयन को पानी की उपलब्धता से जोड़ना होगा। शहरों और गांवों में जल की बचत को औपचारिकता भर से ऊपर उठकर और जरूरत बनाकर काम करना होगा।

गंदे पानी को बहाने की जगह उसे साफ करके पुनः उपयोग में लाने के काम को बढ़ावा देना होगा। मगर बड़ा सवाल यह है कि यह सब करेगा कौन? केवल सरकारों पर जिम्मेदारी डाल कर इस संकट से नहीं उबरा जा सकता। इसके लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे, क्योंकि जल है तो कल है।

विकास के दावे और बढ़ती बेरोजगारी

हाल के महीनों में देश के अलग-अलग हिस्सों से जो खबरें सामने आईं, वे भारत की आर्थिक कहानी के उस पक्ष को उजागर करती हैं जिसे प्रायः विकास दर, निवेश और बड़े आयोजनों की चमक में ढक दिया जाता है। एक ओर नीति-निर्माता भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बताने में लगे हैं, वहीं दूसरी ओर पढ़े-लिखे युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, अस्थिर रोजगार और घटती आय गहरी चिंता पैदा करती हैं।

हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आंकड़ों ने यह साफ कर दिया कि शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर फिर से बढ़ रही है और युवाओं के लिए स्थिति और भी गंभीर बनी हुई है। यह विरोधाभास केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह उस विकास के तरीके पर बुनियादी सवाल है जिसे देश बीते एक दशक से अपनाए हुए हैं।

आधिकारिक अनुमानों के अनुसार देश की लगभग पैंसठ फीसद आबादी पैंतीस वर्ष से कम उम्र की है और हर वर्ष लगभग एक करोड़ से अधिक युवा काम की तलाश में श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। यह तभी सार्थक हो सकता है जब अर्थव्यवस्था पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा करे। मगर वास्तविकता यह है कि संगठित क्षेत्र में नई नौकरियों की संख्या सीमित रही है।

श्रम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में संगठित क्षेत्र में रोजगार वृद्धि की दर दो फीसद से भी कम रही है, जबकि श्रम बल की वृद्धि इससे कहीं अधिक तेज है। नतीजा यह कि बेरोजगारी और अल्प बेरोजगारी दोनों समस्या गहराती जा रही है। शहरी बेरोजगारी दर पर नजर डालें, तो तस्वीर और भी चिंताजनक दिखाई देती है।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2024 के अंत तक शहरी बेरोजगारी दर लगभग सात फीसद के आसपास पहुंच गई थी, जबकि युवाओं यानी अठारह से उनतीस वर्ष के आयु वर्ग में यह दर बारह फीसद से अधिक दर्ज की गई। उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं में बेरोजगारी दर इससे भी अधिक है। इंजीनियरिंग, प्रबंधन और सामान्य स्नातक डिग्री रखने वाले लाखों युवा या तो काम की तलाश में भटक रहे हैं या अपनी योग्यता से बहुत कम वेतन और अस्थिर शर्तों पर काम करने पर मजबूर हैं। यह स्थिति न केवल आर्थिक असुरक्षा पैदा करती है, बल्कि सामाजिक असंतोष और मानसिक दबाव को भी जन्म देती है।

ग्रामीण भारत में स्थिति इससे अलग नहीं है। कृषि पर निर्भर आबादी का अनुपात अभी भी लगभग पैंतालीस फीसद है, जबकि कृषि का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में पंद्रह फीसद से भी कम रह गया है। इसका अर्थ यह है कि बड़ी संख्या में लोग कम उत्पादकता वाले क्षेत्र में फंसे हुए हैं। खेती से आय बढ़ाने के तमाम सरकारी दावों के बावजूद वास्तविक आय वृद्धि सीमित रही है।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार औसत किसान परिवार की मासिक आय आज भी इतनी नहीं है कि वह सम्मानजनक जीवन स्तर सुनिश्चित कर सके। नतीजतन ग्रामीण युवाओं का शहरों की ओर पलायन जारी है, लेकिन शहरों में भी उन्हें स्थायी और सम्मानजनक रोजगार नहीं मिल पा रहा। पिछले एक दशक में सरकार ने रोजगार संकट से निपटने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। कौशल विकास मिशन और आत्मनिर्भर भारत जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य नई नौकरियां पैदा करना और उद्यमिता को बढ़ावा देना बताया गया। इन पहलों से कुछ सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं।

'स्टार्टअप इंडिया' के तहत दो लाख से अधिक नए उद्यम पंजीकृत हुए हैं और इनके माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों रोजगार सृजित हुए हैं। मगर यह भी सच है कि इन रोजगारों का बड़ा हिस्सा अस्थायी, परियोजना आधारित या डिजिटल मंचों से जुड़ा हुआ है, जहां सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है। उद्योगों की स्थिति भी रोजगार सृजन के लिहाज से उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है।

विनिर्माण क्षेत्र को रोजगार वृद्धि का प्रमुख इंजन माना जाता रहा है, लेकिन भारत में इसका योगदान सकल घरेलू उत्पाद में लगभग सोलह से सत्रह फीसद के आसपास अटका हुआ है। चीन, वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों की तुलना में भारत विनिर्माण में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने में पिछड़ता दिखता है। श्रम कानूनों की जटिलता, भूमि अधिग्रहण की समस्याएं, बुनियादी ढांचे की कमी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दबाव ने उद्योगों की रोजगार सृजन क्षमता को सीमित कर दिया है।

सेवा क्षेत्र ने पिछले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था को संभाला है, लेकिन यहां भी रोजगार का स्वरूप बदल गया है। सूचना प्रौद्योगिकी और आधुनिक सेवाओं में उच्च कौशल वाले लोगों को अवसर मिल रहे हैं, लेकिन पारंपरिक सेवाओं में रोजगार या तो ठहरा हुआ है या घट रहा है। इसके अलावा एक ऐसी अर्थव्यवस्था का विस्तार हुआ है, जहां लोग परिवहन, आपूर्ति और डिजिटल सेवाओं से जुड़े छोटे-छोटे काम करते हैं।

बेरोजगारी का असर केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक भी है। बेरोजगार या असुरक्षित रोजगार में फंसे युवा अपने भविष्य को लेकर निराश हो रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती भीड़, बार-बार परीक्षाओं का रद्द होने और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी से इस निराशा को और गहरा करती है। कई राज्यों में बेरोजगारी को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि यह समस्या अब केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि सड़कों पर दिखने लगी है।

शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच बढ़ती खाई भी इस संकट का एक बड़ा कारण है। हर साल लाखों विद्यार्थी महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से डिग्रियां लेकर निकलते हैं। मगर इनमें ज्यादातर विद्यार्थी उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित नहीं होते। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम की रपटों के अनुसार भारत की बड़ी कार्यशील आबादी औपचारिक कौशल प्रशिक्षण से वंचित है।

नतीजतन, कंपनियां कुशल श्रमिकों की कमी की शिकायत करती हैं और युवा रोजगार न मिलने की। यह विरोधाभास नीति और क्रियान्वयन दोनों स्तरों पर व्यापक सुधार की मांग करता है। महिलाओं की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में विशेष रूप से चिंताजनक है। भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लंबे समय से कम बनी हुई है। हाल के वर्षों में इसमें कुछ सुधार जरूर हुआ है, लेकिन अभी भी यह दर तीस फीसद के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है।

शिक्षित होने के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाएं सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक कारणों से कार्यबल से बाहर रहती हैं। यदि इनकी भागीदारी बढ़े, तो न केवल रोजगार का दायरा विस्तृत होगा, बल्कि आर्थिक वृद्धि भी अधिक समावेशी बन सकेगी। सरकार की नीतियों में रोजगार को प्राथमिकता देने की बात बार-बार कही जाती है, लेकिन बजटीय आबंटन और वास्तविक क्रियान्वयन में यह प्राथमिकता साफ नहीं दिखती। शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास पर सार्वजनिक खर्च अभी भी सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में सीमित है।

अंतरराष्ट्रीय तुलना करें, तो भारत इन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम निवेश करता है। यदि मानव पूंजी में पर्याप्त निवेश नहीं होगा, तो रोजगार सृजन की किसी भी योजना की सफलता संदिग्ध रहेगी। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत किस तरह के विकास की ओर बढ़ रहा है। यदि विकास का अर्थ केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि और कुछ चुनिंदा क्षेत्रों की प्रगति तक सीमित रहेगा, तो बेरोजगारी और असमानता की समस्या बनी रहेगी।

ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़े से निष्कासित, स्वामी अविमुक्तेश्वरनंद को लेकर दिया था बयान

आचार्य महामंडलेश्वर प्रो (डॉ) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने अखाडे की बैठक के बाद किया कार्रवाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज / गुजरात। किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर प्रो (डॉ) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने अखाड़े की महामंडलेश्वर यामाई ममता नंद गिरि (ममता कुलकर्णी) को अखाड़े से आज किन्नर अखाडा से निष्कासित कर दिया है। उन्होंने वीडियो बनाकर सार्वजनिक करते हुए बताया कि अखाड़े के पदाधिकारी से बैठक करके निर्णय लिया है कि यामाई ममता नंद गिरि का किन्नर अखाड़े से अब आज से कोई संबंध नहीं है। वह अखाड़े की कोई भी अधिकारी या सदस्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किन्नर अखाड़ा में महिला भी हैं पुरुष भी हैं किन्नर भी हैं। हम किसी तरह का विवाद नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि की मौनी अमावस्या के दिन जिस तरह से बटुक ब्राह्मणों का शिखा पकड़कर पीटा गया इससे हमारी भी नाराजगी है और सनातन धर्म पर कुठाराघात हुआ है। उल्लेखनीय है कि तीर्थराज प्रयागराज के महाकुंभ-2025 के दौरान 26 जनवरी को किन्नर अखाडा में प्रसिद्ध अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को महामण्डलेश्वर बनाया जिस पर काफी बवाल मचा था।

माघ मेला -2026 के दौरान मौनी आमावस्या पर स्नान के पहले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का प्रशासन - पुलिस से विवाद के बाद पुलिस ने बटुको से मारपीट कर लिया था। इस पर नाराज होकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अपने त्रिवेणी मार्ग पर लगे शिविर के बाहर 10 दिन से बैठे है।

किन्नर अखाडा की महामण्डलेश्वर स्वामी ममतानंद गिरि (ममता कुलकर्णी) ने शंकराचार्य से दो सवाल किए थे । पहला कि उन्हें शंकराचार्य किसने बनाया और दूसरा करोड़ों की भीड़ में पालकी लेकर निकलने की क्या जरूरत थी? ममता कुलकर्णी ने यह भी कहा था कि शंकराचार्य की वजह से उनके शिष्यों को पिटाई झेलनी पड़ी । अगर स्नान नहीं करना था तो पालकी से उतरकर पैदल जाकर स्नान किया जा सकता था ।

गुरु होने का अर्थ जिम्मेदारी से भरा आचरण होता है ना कि ऐसी जिद जिसकी कीमत शिष्यों को चुकानी पडी, इसी बयान के बाद किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर प्रो (डॉ) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने अखाड़े की बैठक कर निष्कासन की कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व भी यामाई ममतानंद गिरि ने अंडर वर्ल्ड के दाउद इब्राहिम को लेकर बयान दिया था जिस पर किन्नर अखाड़ा को काफी किरकिरी का सामना करना पडा था।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके दवारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर 77वाँ गणतंत्र दिवस समारोह उत्साह पूर्वक मनाया गया। प्रतापनगर के माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं रेल सुरक्षा बल ,भारत स्काउट व गाइड व सिविल डिफ़ेंस यूनिटों की सयुंक्त परेड का निरीक्षण किया और मार्च-पास्ट की सलामी ली।इस अवसर पर राजू भडके ने सभी रेल कर्मचारियों और उनके परिजनों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा उन्होंने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता के गणतंत्र दिवस संदेश का वाचन भी किया।

मंडल रेल प्रबंधक ने रेलकर्मियो के नाम अपने सन्देश में वडोदरा मंडल की उपलब्धिया का भी जिक्र किया और रेल सुरक्षा बल के सब इंस्पेक्टर अनवर हुसैन को माननीय राष्ट्रपति महोदया द्वारा 'इंडियन पुलिस मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस' से सम्मानित किये जाने पर बधाई दी।

मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके ने इस अवसर पर संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं व सराहनीय कार्य के लिये 04 रेलकर्मियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन वडोदरा की अध्यक्षा डॉ कविता भडके ने निबंध/ चित्रकला प्रतियोगिता में विजेता 19 प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए। आरपीएफ 'डॉग स्क्वॉड' द्वारा की गयी प्रस्तुति ने भी सभी का मन मोह लिया।रेलकर्मियों द्वारा देश भक्ति पर आधारित व सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी के आकर्षण का केंद्र रहे।

इस शुभ अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन वडोदरा मंडल की अध्यक्षा डॉ कविता भडके व उनकी टीम, वडोदरा मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक नीरज धमीजा, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त फ्रांसिस लोबो तथा रेलवे के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ रेल अधिकारी व कर्मचारी के साथ उनके परिजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी तेजराम मीना ने इस समारोह को सफल बनाने के लिए सभी का आभार प्रकट किया।

इसके बाद मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके व रेलवे महिला कल्याण संगठन वडोदरा मंडल की अध्यक्षा डॉ कविता भडके ने बाल मंदिर में जाकर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में बच्चो की प्रस्तुति को देखा। डॉ कविता भडके एवं उनकी टीम ने मंडल चिकित्सालय का दौरा किया और मरीजों का स्वास्थ लाभ जाना तथा फलो का वितरण किया।

दण्डी नगर, ऋषिकेश आश्रम में गणतंत्र दिवस पर फहराया गया तिरंगा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला के सेक्टर छह ओल्ड जीटी रोड पर स्थित नागेश्वर धाम में गणतंत्र दिवस पर धूमधाम से तिरंगा आज फहराया गया। अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी महेशाश्रम महराज ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने सभी को राष्ट्र धर्म का संदेश देते हुए एकता के सूत्र में बंधे रहने और देश के विकास में योगदान देने की बात कही। अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्मश्रम महराज ने कहा कि बहुत संघर्षो के बाद आजादी मिली है ऐसे में हमें और आपको इस आजादी को ऐसे बनाए रखते हुए विकास के पथ पर चलना है।

इस दौरान अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज, नागेश्वर धाम शिविर के व्यवस्थापक आचार्य धनंजय स्वरूप ब्रह्मचारी सहित बडी संख्या में दण्डी संत, शिष्य ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुए। त्रिवेणी मार्ग पर स्थित जगदगुरू स्वामी कृष्णाचार्य महराज के शिविर में ध्वजारोहण हुआ। जगदगुरू स्वामी कृष्णाचार्य महराज ने सभी को मिलकर देश को मजबूत करने और विकास में योगदान पर जोर दिया। उन्होने सभी से कहा कि राष्ट्र धर्म पहले है और सब कुछ बाद में क्योकि जब देश ही नही रहेगा तो अन्य कुछ भी नही। इस दौरान प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य गोपाल महराज, मोहन जी सहित बडी संख्या मे शिष्य और कल्पवासी मौजूद थे।

परमहंस आचार्य तपस्वी छावनी ने किया डीपी फार्मेसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। फूलपुर के रामनगर स्थित डीपी फार्मेसी मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर का उद्घाटन आज 108 परमहंस आचार्य तपस्वी छावनी अयोध्या जी अयोध्या ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह अस्पताल फल-हुल यही मेरी कामना है। उनका कहना था कि रामनगर जैसे पिछड़े इलाके में इस तरह का अस्पताल खोलने लोगों के लिए एक सौगात से काम नहीं है। कॉलेज के प्रबंधक डॉ देवेंद्र पांडे ने कहा कि यहां मरीजों को बेहतर सुविधा दिलाना ही इस अस्पताल की प्राथमिकता में से एक है। इस मौके पर आयोजित अखंड रामायण पाठ का समापन भी परमहंस आचार्य अयोध्या जी अयोध्या ने किया। अस्पताल के उद्घाटन के करने के बाद उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण किया और यहां की सुविधाओं को दिखा। इस मौके पर गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सम्भव सुनवाई के दौरान नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने सुनी फरियाद

प्रयागराज। नगर निगम में आज सम्भव सुनवाई के दौरान नगर आयुक्त, सीलम साईं तेजा ने सुनी फरियाद में सुनवाई के दौरान पार्षदों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को दर्ज कराया। नगर आयुक्त ने कहा कि समस्याओ का त्वरित निस्तारण कराया जाए। नगर आयुक्त आईएएस सीलम साईं तेजा ने आज दिनांक 27 जनवरी 2026 मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान शिकायत ले कर आये हुए फरियादियों की शिकायतो को भी सुना गया। इस जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें से अधिकांश शिकायतें अतिक्रमण, जनसुनवाई के दौरान तेजा ने आम नागरिकों की समस्याएं न केवल ध्यानपूर्वक सुनीं, जनसुनवाई में आई शिकायतें पेयजल तथा सड़क-नाली निर्माण तथा अतिक्रमण आदि से जुड़ी रहीं।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल तथा नालों और नालियों की सुरक्षा की जानकारी ली साफ-सफाई तथा जाम नालियों जोनल कार्यालय के सभी पार्षदगण के साथ नगर आयुक्त द्वारा बैठक की गयी इस दौरान शहर में विभिन्न स्थानों चबूतरे, पेयजल, शौचालय/ यूरिनल तथा शेड आदि की व्यवस्थाओं पर सुझाव लिए गये। प्रयागराज के वी0आई0पी0क्षेत्र में क्यूआरटी0 टीम की व्यवस्था किये जाने का अनुरोध किया जिससे साफ-सफाई मार्ग प्रकाश, मलवा, अतिक्रमण जैसी समस्या को तत्काल निस्तारण का आदेश कर्मचारियों को दिया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देवेश मोहन दीक्षित की घोषणा

एआई मॉडल बेस पर एजुकेशन, डिजिटल लाइब्रेरी, डिजिटल लैब क्रिकेट एंड म्यूजिक अकैडमी, मार्शल आर्ट अकादमी का होगा संचालन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एसएमसी स्कूल, घूरपुर में आज भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत उत्साह, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव के साथ मनाया गया। पूरा विद्यालय परिसर तिरंगे के रंगों में सराबोर नजर आया, जहाँ छात्रों और शिक्षकों ने एकजुट होकर भारतीय संविधान की गरिमा को नमन किया।

इस गौरवशाली अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती मीता अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक देवेश मोहन दीक्षित ने विद्यालय के प्रबन्ध समिति के सदस्यों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ भव्य गणेश वंदना से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

प्रबन्ध निदेशक देवेश मोहन दीक्षित जी ने सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के दिन हम अपने देश के संविधान की महत्ता को याद करते हैं जिससे हमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाई-चारे के मूल्यों पर आधारित एक मजबूत राष्ट्र बनाने की प्रेरणा मिलती है। आइये हम सभी मिलकर देश की प्रगति और विकास में अपना योगदान दें और एकता, समृद्ध की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होने अभिभावकों से संवाद करते हुए कहा कि विद्यालय में सारे कक्षाओं में ए.आई. पद्धति शिक्षण में शामिल किया जायेगा। नये सत्र में डिजिटल लाइब्रेरी, डिजिटल लैब, क्रिकेट, मार्शल आर्ट व संगीत एकेडमी सभी छात्रों हेतु प्रारम्भ किया जायेगा।

प्रत्येक छात्र को किसी न किसी विधा में पारंगत कर वैश्विक स्तर के लिए तैयार किया जायेगा। इस माध्यम से हमारे विद्यालय के सभी छात्रों को अपने सर्वांगीण विकास के लिए प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए गए, जिनमें भविष्य के नागरिकों के उत्तरदायित्वों पर प्रकाश डाला गया। नन्हे सितारों की ऊर्जाः प्री-प्राइमरी के नन्हे छात्रों ने अपनी मासूम प्रस्तुतियों से सबका दिल जीत लिया, वहीं जोश से भरे जुम्बा सत्र ने छात्रों की शारीरिक चुस्ती-फुर्ती का शानदार प्रदर्शन किया।

कलात्मक भव्यताः विद्यार्थियों द्वारा एक जीवंत फैशन शो और वरिष्ठ छात्रों द्वारा लयबद्ध नृत्यों की श्रृंखला पेश की गई, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पंडिला में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

डीआईजी धीरज कुमार बोले–वर्दी अधिकार नहीं, संविधान से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारी

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पंडिला में सोमवार को गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह, गरिमा और अनुशासन के साथ मनाया गया। ग्रुप सेंटर स्थित क्वार्टर गार्ड पर डीआईजी ग्रुप सेंटर धीरज कुमार ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों, जवानों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए संविधान के महत्व और वर्दीधारी बलों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।डीआईजी धीरज कुमार ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि संविधान के आदर्शों पर चलने का अवसर है। उन्होंने कहा कि 1947 में आजादी मिलने के बाद देश को एक मजबूत और सुव्यवस्थित दिशा देने के लिए संविधान बनाया गया। 26 जनवरी और 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्व हमें यह सोचने का अवसर देते हैं कि हमने अब तक क्या हासिल किया और आगे की दिशा क्या होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की आत्मा और अस्मिता का प्रतीक है। वर्दीधारी बलों के लिए इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। वर्दी केवल अधिकार और अनुशासन का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह जनता के प्रति संवेदनशीलता, सेवा और जिम्मेदारी का भी संदेश देती है।डीआईजी ने जवानों से अपील की कि वे संविधान में बताए गए मार्ग पर चलते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि निजी हितों से ऊपर उठकर नियमों और संविधान के अनुरूप कार्य करना समय की मांग है। इससे न केवल संगठन मजबूत होगा, बल्कि समाज और देश को भी वास्तविक लाभ मिलेगा।उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस जैसे अवसर आत्मचिंतन और नई शुरुआत के लिए होते हैं। यहां से ली गई सकारात्मक सोच और संकल्प को पूरे वर्ष व्यवहार में उतारने की जरूरत है। अच्छे कार्यों को और अधिक गति देने से सीआरपीएफ की कार्यशैली और छवि दोनों सशक्त होंगी।डीआईजी धीरज कुमार ने यह भी कहा कि सीआरपीएफ के अधिकारियों, जवानों और कर्मचारियों को उनके सराहनीय कार्यों के लिए सरकार द्वारा पदक और सम्मान दिया जाना गौरव की बात है। इससे बल का मनोबल बढ़ता है और राष्ट्रसेवा की भावना और मजबूत होती है।नव-नियुक्त जवानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कई जवानों के लिए यह पहला गणतंत्र दिवस है। ऐसे में वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे उन्हें सही मार्गदर्शन दें और संविधान व राष्ट्रसेवा के मूल्यों से जोड़ें। यह केवल औपचारिक दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य गढ़ने की बड़ी जिम्मेदारी है।समारोह के दौरान परेड, राष्ट्रगान और अनुशासित आयोजन ने उपस्थित जनसमूह में देशभक्ति की भावना भर दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने संविधान के मूल्यों पर चलने और राष्ट्रसेवा के संकल्प को दोहराया इस मौके डीआईजी रेंज सुनीत कुमार राय डीआईजी मेडिकल डॉक्टर विनय अग्रवाल कमांडेंट योगेश पुरोहित 224 वी आई पी बटालियन डॉ विपुल कुमार डॉ शंकर लाल चाहर डॉ गौरी बी सी यादव द्वितीय कमान अधिकारी अमित सक्सेना अशोक कुमार यादव तरुण कुमार उप कमांडेंट श्रीनिवास राकेश त्रिपाठी रीना घोष निरंजन सैनी के के झा धनंजय यादव सहायक कमांडेंट अभिषेक कुमार दिनेश चंद्र मिश्र विवेक कुमार समय जैन प्रवेश कुमार शर्मा सहित तमाम अधिकारी जवान कार्मिक मौजूद रहे।

धूमधाम से इफको फूलपुर में 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इफको घियानगर फूलपुर में 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह ने ध्वजारोहण किया तथा राष्ट्रगान गाया गया। न्यूजेन सुरक्षा गार्ड के जवानों, केन्द्रीय विद्यालय स्कॉउट गाइड के बच्चों ने मार्च पास्ट किया तथा महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) को सलामी दी गई। सीताराम इंटर कालेज स्कॉउट बैण्ड ने देशभक्ति की धुनों पर शानदार प्रस्तुति दी। महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह ने कहा कि हमारा संविधान हमारे अधिकार देने के साथ हमारे कर्तव्य भी तय करता है। हमारा दायित्व है कि हम अपने कर्तव्यों का इमानदारी से निर्वहन करें तथा देश की प्रगति में योगदान दें। सहकारिता के माध्यम से हम राष्ट्र सेवा में क्या योगदान दे सकते है, यह महत्त्वपूर्ण है। प्रबंध निदेशक के.जे.पटेल ने अपने प्रथम आधिकारिक दौरे के दौरान इफको फूलपुर इकाई में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया। प्रबंध निदेशक के.जे.पटेल जी का कुशल मार्गदर्शन व नेतृत्व हमें प्रेरणा देता है। इफको फूलपुर इकाई को गत वर्ष सीआईआई अवॉर्ड, सेफ्टी अवॉर्ड तथा पर्यावरण पुरस्कार प्राप्त हुए।ओम बाल विद्या मंदिर तथा केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। सुझाव योजना के अंर्तगत विजेता कर्मचारियों तथा खेलकूद प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। नैनो उर्वरकों का स्वेच्छा से उपयोग करने वाले किसानों जिन्हें सकारात्मक परिणाम मिला तथा बेहतर फसल हुई है को सम्मानित किया गया। महिला चेतना क्लब की अध्यक्षा सरिता सिंह व अन्य महिला सदस्यों द्वारा आनंद मेले का आयोजन किया जिसमें विभिन्न व्यंजन-पकवान आदि की व्यवस्था की गई थी जिसका घियानगर परिवार के सदस्यों ने आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन रेखा मिश्रा ने किया।

रोटरी इलाहाबाद द्वारा मनाया गया गणतंत्र दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद के अध्यक्ष राजीव रंजन अग्रवाल ने 77वें गणतंत्र दिवस डॉ. अभिलाषा चतुर्वेदी के अस्पताल में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर अध्यक्ष राजीव रंजन अग्रवाल ने क्लब के सदस्यों एवं उपस्थित अतिथियों के साथ मिलकर ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात ललित जायसवाल द्वारा राष्ट्रीय गान का भावपूर्ण गायन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी जनों के प्रति प्रेसिडेंट ने आभार व्यक्त किया ।कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में बच्चों से सुंदर गायन प्रस्तुति करवाई गई। क्लब सदस्य अनूप अग्रवाल ने भी सिंथेसाइज़र पर मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। सभी बच्चों को चाकलेट दी गई।अंत में अजय अग्रवाल द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम के उपरांत सभी ने नेत्तराम के दम आलू, खस्ता, जलेबी, लड्डू, चाय एवं फ्रूटी का आनंद लिया। इस अवसर पर राजीव गुप्ता, अजय अग्रवाल, देश दीपक आर्य, पीयूष अग्रवाल, ललित जायसवाल, अलोशी अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

नागेश्वर धाम से बडी संख्या मे दंडी सन्यासियों ने शंकराचार्य स्वामी महेशाश्रम महराज के नेतृत्व में किया लक्ष्य ज्योति दान

विश्व में सनातन धर्म की हो स्थापना, देश बने गौरवशाली : स्वामी महेशाश्रम महराज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। संगम की रेती पर लगे माघ मेले में मंगलवार को नागेश्वर धाम शिविर से बडी संख्या मे दंडी सन्यासियों ने शंकराचार्य स्वामी महेशाश्रम महराज के नेतृत्व में गंगा तट पर पहुंचकर मां गंगा की पूजा-अर्चना की। इस मौके पर दंडी सन्यासियों और कल्पवासियों ने लक्ष्य ज्योति दान भी किया। संतों और कल्प वासियों ने मां गंगा की भव्य आरती की। मां गंगा को साक्षी मानकर दंड़ी सन्यासियों और श्रद्धालुओं ने राष्ट्र और देश वासियों की रक्षा का भी संकल्प लिया। दंडी सन्यासियों ने मां गंगा से लोक मंगल और विश्व कल्याण की कामना की। इसके साथ ही वसुधैव कुटुम्बकम् की भारतीय संस्कृति के तहत दंड़ी सन्यासियों ने पूरे विश्व में शान्ति स्थापित हो इसके लिए भी मां गंगा से प्रार्थना। संतों ने देश की उन्नति और देश में साम्प्रदायिक सौहार्द बना रहे इसके लिए भी मां गंगा से कामना की। दंडी सन्यासियों ने कहा है कि संगम की रेती पर पौष पूर्णिमा के पर्व से संकल्प लेकर कल्पवास का व्रत सकुशल सम्पन्न हो रहा है। कल्पवास के संकल्प के दौरान अगर जाने अनजाने उनसे कोई गलती हुई है तो उसके लिए ज्योति दान कर मां गंगा से प्रायश्चित और क्षमा याचना की गई है। इस मौके पर अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी महेशाश्रम महाराज ने कहा है कि पूरे विश्व में सनातन धर्म की स्थापना हो और हमारा देश गौरवशाली बने। उन्होंने कहा कि सनातन की धर्म ध्वजा ऐसे ही फहराती रहे और हमारा देश विश्व गुरु बने। इस दौरान अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्मश्रम महराज, राष्ट्रीय संगठन मंत्री पीठाधीश्वर रामाश्रम शास्त्री स्वामी, आचार्य धनंजय स्वरूप ब्राह्मचारी, आचार्य कपिल शुक्ल सहित बडी संख्या में दण्डी संन्यासी और शिष्य शामिल हुए।

भिवंडी महानगरपालिका में धूमधाम से मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगरपालिका की ओर से मुख्य प्रशासकीय भवन परिसर में ध्वजारोहण एवं विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के हाथों राष्ट्रध्वज फहराया गया और राष्ट्रध्वज को मानवंदना दी गई।

इस अवसर पर महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे, उप आयुक्त (कर) बालकृष्ण क्षिरसागर, मुख्य लेखा परीक्षक मयूर हिंगाणे, सह आयुक्त (सामान्य प्रशासन) शैलेश दोंदे सहित सभी सहायक आयुक्त, प्रभाग अधिकारी, पदाधिकारी तथा अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान संविधान की उद्देशिका का वाचन किया गया तथा उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को हरित शपथ और तंबाकू मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम के उपरांत अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके ने प्रशासकीय भवन परिसर में स्थित भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्णाकृति प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसी अवसर पर महानगरपालिका मुख्यालय में मराठी भाषा पखवाड़े के अंतर्गत पारंपरिक पोवाड़े का आयोजन भी किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा। इसके बाद अतिरिक्त आयुक्त ने शहरवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में महानगरपालिका मुख्यालय में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें मनपा कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अच्छा प्रतिसाद दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन से महानगरपालिका परिसर में देशभक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

पत्नी-पति के झगड़े में बीच-बचाव बना मौत की वजह

तीन सगे भाइयों ने चचेरे भाई की चाकू से हत्या,शांतीनगर इलाके में सनसनी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मौसेरी बहन और उसके पति के आपसी विवाद में बीच-बचाव करना एक युवक के लिए जानलेवा साबित हुआ। इसी रंजिश को लेकर तीन सगे भाइयों ने साजिश रचकर अपने ही चचेरे भाई की लोहे के चाकू से गोदकर हत्या कर दी। यह सनसनीखेज घटना भिवंडी के शांतीनगर पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यू आज़ाद नगर, निज़ामिया होटल के पास घटी, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान दिलशाद मकबूल अहमद शहा (23) के रूप में हुई है। इस मामले में शांतीनगर पुलिस ने आसीफ अब्दुलहकीम शहा (20), अलीहसन अब्दुलहकीम शहा (23) और मुझफ्फर अब्दुलहकीम शहा (25) के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता गुलजार मकबूल अहमद शहा (25)

ने बताया कि 25 जनवरी को उसकी मौसेरी बहन और उसके पति के बीच विवाद हुआ था, जिसमें दिलशाद ने मध्यस्थता की थी। इसी बात से आरोपी नाराज़ थे और उन्होंने आपसी संगनमत से दिलशाद को रास्ते में रोक लिया। आरोप है कि आसीफ ने लोहे के चाकू से दिलशाद के सीने और शरीर के अन्य हिस्सों पर वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बीच-बचाव करने पहुंचे लोगों को धमकाकर आरोपी मौके से फरार हो गए। दिलशाद को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही शांतीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। घटना के बाद न्यू आज़ाद नगर परिसर में दहशत का माहौल है। दिनदहाड़े हुई इस हत्या से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। इस घटना की जांच पुलिस निरीक्षक विनोद पाटिल कर रहे हैं।

शहर इकाई की सूची के बाद हुआ फैसला

भिवंडी मनपा में भाजपा ने किया गट नेता तय...

प्रदेश नेतृत्व ने संतोष एम. शेट्टी के नाम पर लगाई मुहर.

भिवंडी। भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगरपालिका में भारतीय जनता पार्टी ने अपने गट नेता के रूप में संतोष एम. शेट्टी की नियुक्ति कर दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण द्वारा जारी पत्र के माध्यम से इस निर्णय की औपचारिक जानकारी जिला और शहर संगठन को दी गई है।

जानकारी के अनुसार, भिवंडी शहर भाजपा कमेटी की ओर से गट नेता पद के लिए नारायण चौधरी, सुमित पाटिल, संतोष शेट्टी, वैभव भोईर, प्रकाश टावरे, निलेश चौधरी और यशवंत टावरे के नामों की सूची प्रदेश कमेटी के पास भेजी गई थी। प्रदेश स्तर पर हुई चर्चा और विचार-विमर्श के बाद संतोष शेट्टी के नाम पर अंतिम मुहर लगाई गई।

प्रदेश कार्यालय से जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका में भाजपा गट नेता के रूप में संतोष शेट्टी का नाम निश्चित किया गया है और संबंधित पदाधिकारियों को अपने स्तर पर आवश्यक आगे की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र की प्रतिलिपि पालकमंत्री, चुनाव प्रमुख और चुनाव प्रभारी को भी भेजी गई है।

गौरतलब है कि हाल ही में हुए भिवंडी मनपा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 22 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस प्रदर्शन के साथ भाजपा महानगरपालिका में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। ऐसे में गट नेता की नियुक्ति को मनपा सदन में पार्टी की भूमिका को अधिक संगठित और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि आगामी कार्यकाल में मनपा से जुड़े नागरिक मुद्दों, विकास कार्यों और प्रशासनिक निर्णयों पर भाजपा की स्पष्ट और सामूहिक भूमिका रखने की जिम्मेदारी गट नेता पर रहेगी। इस नियुक्ति के बाद भिवंडी की राजनीतिक गतिविधियों में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है।

गणतंत्र दिवस की संध्या पर भिवंडी में निर्भीक पत्रकारिता का सम्मान

पत्रकार मुनीर अहमद मोमिन पुरस्कृत

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

गणतंत्र दिवस 2026 की संध्या पर भिवंडी में राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सरोकारों का प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला। भिवंडी एक्शन फ़ोर्स द्वारा आयोजित समारोह में प्रखर पत्रकार मुनीर अहमद मोमिन को निर्भीक एवं उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारतीय सेना के जांबाज लांस नायक फूल सिंह के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। यह सम्मान समाज के ज्वलंत मुद्दों पर निडर होकर सच सामने लाने, निष्पक्ष पत्रकारिता करने और आम जनता की आवाज़ बनने के लिए दिया गया। समारोह में बड़ी संख्या में नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा और पत्रकार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में पत्रकारिता की भूमिका अहम होती है। जब पत्रकार बिना दबाव के सच्चाई को सामने रखते हैं, तब समाज में जागरूकता आती है और व्यवस्था को सही दिशा मिलती है। मुनीर अहमद मोमिन ने अपने पत्रकारिता कार्यकाल में जनहित से जुड़े कई संवेदनशील मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है,समारोह का विशेष आकर्षण वह क्षण रहा, जब भारतीय सेना के प्रतिनिधि लांस नायक फूल सिंह ने एक पत्रकार को सम्मानित किया। वक्ताओं ने इसे सेना और पत्रकारिता के बीच विश्वास और सम्मान का प्रतीक बताया। उनका कहना था कि जब देश की रक्षा करने वाले सैनिक और समाज को सच दिखाने वाली कलम एक मंच पर मिलती है, तो राष्ट्र और लोकतंत्र दोनों सशक्त होते हैं,सम्मान ग्रहण करते हुए मुनीर अहमद मोमिन ने कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए गर्व के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वह आगे भी पूरी ईमानदारी, साहस और संवेदनशीलता के साथ पत्रकारिता करते रहेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रभक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी और निर्भीक पत्रकारिता को प्रोत्साहित करना रहा। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया, जिससे पूरा माहौल देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो गया।

मारपीट के मामले में परस्पर केस दर्ज,इलाके में दो पक्ष आमने-सामने

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शहर के ईदगाह झोपड़पट्टी क्षेत्र में आपसी विवाद को लेकर मारपीट की घटना सामने आई है। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ भोईवाडा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर परस्पर मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पहले मामले में शिकायतकर्ता हैदर मोहम्मद फारूक खान (40) ने आरोप लगाया है कि 24 जनवरी की सुबह लगभग 11.30 बजे घर के सामने पानी भरने को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि इसी दौरान अलसफा अजगर अली अंसारी (30), अजगर अख्तर अली अंसारी (40) और असरफ अख्तर अली अंसारी (34) ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपियों ने उसे और उसके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी भी दी। इस शिकायत के आधार पर भोईवाड़ा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

वहीं, इसी घटना को लेकर दूसरे पक्ष ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। दूसरे मामले में शिकायतकर्ता अलसफा अजगर अली अंसारी (36) ने आरोप लगाया है कि अली फारूक खान (35), अजगर फारूक खान (32) और हैदर फारूक खान (42) ने उसके घर के सामने विवाद कर गाली-गलौज की और मारपीट की। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि घटना के दौरान धमकी दी गई, जिससे परिवार में दहशत का माहौल बन गया। दोनों पक्षों में गल्ली में रखी पानी की टंकी हटाने के लिए विवाद हुआ था। भोईवाड़ा पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर परस्पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। फिलहाल किसी भी पक्ष की गिरफ्तारी नहीं की गई है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद कुछ समय के लिए इलाके में तनाव का माहौल रहा, हालांकि पुलिस की मौजूदगी के चलते स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

तीन दिन में तीन नाबालिग लड़कियों का अपहरण, बढ़ी चिंता

भिवंडी। भिवंडी शहर में नाबालिग लड़कियों के अपहरण की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बीते तीन दिनों में अलग-अलग इलाकों से तीन नाबालिग लड़कियों के अपहरण के मामलों ने शहर में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। ताजा मामला नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र का है, जहां 15 वर्षीय एक नाबालिग लड़की को अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। जब देर शाम तक लड़की घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। इसी थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूर्णा गांव से 17 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के लापता होने का मामला भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि वह घर से बाहर निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, मानकोली गांव से भी 15 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के अपहरण की सूचना मिली है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस मामले में भी अज्ञात व्यक्ति द्वारा लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताई जा रही है। नारपोली पुलिस ने तीनों मामलों में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और नाबालिग लड़कियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। लगातार हो रही अपहरण की घटनाओं से अभिभावकों में डर का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस से गश्त बढ़ाने और नाबालिगों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

महिला से छेड़छाड़ और अभद्रता का आरोप, केस दर्ज

भिवंडी। भिवंडी तालुका के कोनगांव पुलिस थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता 43 वर्षीय महिला है, जो इसी पुलिस थाना क्षेत्र के एक इलाके में रहती है। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि 25 जनवरी की रात लगभग 8.25 बजे वह अपने रिश्तेदारों के साथ महेन्द्रा हप्पीनेस बिल्डिंग,एक फ्लैट,राजनोली इलाके में मौजूद थी। इसी दौरान इसी बिल्डिंग में रहने वाले आरोपी मोतीउर रहमान अंसारी (40) वहां पहुंचा। आरोप है कि आरोपी ने महिला से बातचीत करते हुए घर में कोई मौजूद नहीं होने का फायदा उठाया और उसके दोनों हाथ पकड़कर उसके साथ अभद्रता की। पीड़िता का कहना है कि इस हरकत से उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची और वह मानसिक रूप से आहत हुई। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने कथित रूप से धमकाने की कोशिश भी की। घटना के बाद पीड़िता ने कोनगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी मोतीउर रहमान अंसारी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के बयान के साथ-साथ घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। घटना के सामने आने के बाद इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बिशप हार्टमनगंज एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। बिशप हार्टमनगंज एकेडमी स्कूल में गणतंत्र दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। विद्यालय के फादर अल्बर्ट प्रवीण लोबो द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रगान हुआ, जिससे पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया।

इस अवसर पर फादर अल्बर्ट प्रवीण लोबो ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संविधान में निहित अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने तथा देश के जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित लोगों ने सराहा। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

'गणतंत्र दिवस' पर मायानगरी मुंबई में हुआ लोकार्पण

'द यश मंगलम शो' की नई लघु फिल्म 'वंदे मातरम' में देशभक्ति के प्रखर जज़्बे की जय-जयकार

मुंबई। हमारे प्रिय भारत के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर एक सुरुचिपूर्ण लघु फिल्म 'वंदे मातरम' द्वारा कलात्मक पदार्पण कर इस अमर राष्ट्रीय गीत के सृजन के 150 गौरवशाली वर्षों का शानदार जश्न एक अनूठे और यादगार अंदाज़ में मनाया गया। पिछले दिनों जारी विभिन्न लघु फिल्मों को मिली निरंतर सफलता के बाद सृजनात्मक उत्कृष्टता के एक सशक्त ब्रांड के रूप में लोकप्रिय होते जा रहे ङ'द यश मंगलम शो'ङ की नवीनतम कड़ी के रूप में इस लघु फिल्म ' वंदे मातरम' का लोकार्पण 26 जनवरी, 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश की आर्थिक राजधानी और मायानगरी मुंबई में किया गया। इस लघु फिल्म में भारत माँ के हर सपूत के अंतर्मन में बसे देशभक्ति के प्रखर जज़्बे की शानदार जय-जयकार कलात्मक शैली में की गई है।

एक अनूठी सृजनात्मक पहल के अंतर्गत 'वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई' द्वारा 'महतपुरकर एंड मंगलम फाउंडेशन' के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत लघु फिल्म 'वंदे मातरम' सोशल मीडिया के सबसे सशक्त प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब पर मौजूद सुरुचिपूर्ण चैनल 'द यश मंगलम शो' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज़ के लिए काफी लोकप्रिय है और व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है। इससे पहले इस लोकप्रिय शो की 'धरोहरः ए पोएटिक सागा', 'शिल्पकार', 'योगा रिट्रीट', 'सेहत के रखवाले', कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा, 'मैं भारत हूँ..!', 'पथ प्रदर्शक' और ' द लीगेसी ऑफ मैथेमेटिक्स' जैसी प्रभावशाली कड़ियाँ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं। इस शो के जोशीले और युवा शो-बॉय यश मंगलम हैं, जो सिर्फ़ 15 वर्ष की आयु में ही अपनी दमदार आवाज़, आकर्षक व्यक्तित्व और सशक्त प्रस्तुतीकरण से अपनी शानदार शैली की बदौलत शो- बिज़ की दुनिया में अपने पैर जमा रहे हैं। इस विशेष लघु फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गज़ानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें वंदे मातरम गीत के इतिहास, सृजन और इसके राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न पहलुओं को बखूबी पिरोया गया है। उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर द्वारा लिखी गई

10 से अधिक लघु फिल्में पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुकी हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम लघु फिल्म के ज़रिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है। इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील लघु फिल्म को अपने कुशल निर्देशन के ज़रिये पर्दे पर उतारने का दायित्व बखूबी निभाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। इस नवसृजित लघु फिल्म का भावपूर्ण पार्श्व संगीत समीर पखाले ने दिया है। वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके, पार्श्व गायन सुश्री धारणा पाहवा, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम और एडिटिंग प्रताप शिंदे द्वारा सुनिश्चित की गई है। इसके एसोसिएट प्रोड्यूसर राजीव भार्गव और क्रिएटिव डायरेक्टर अरविंदो रंजन दास हैं। पोस्ट प्रोडक्शन 'वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई' ने किया है। गणतंत्र दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष लघु फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है। इस लघु फिल्म की प्रमुख पंक्तियाँ कुछ इस तरह रची गई हैं :-

'वंदे मातरम, विविधता में एकता की सुंदर सद्भावना की पहचान है..! कश्मीर से कन्याकुमारी तक, हमारी राष्ट्रीय अखंडता की आन-बान-शान है..! वंदे मातरम, हिन्दुस्तान की सीमाओं पर तैनात जवानों के जज़्बे में है, किसानों के पसीने से सींची हुई लहलहाती फसलों में है, उपग्रह के प्रक्षेपण से लेकर तकनीकों की नयी उड़ान में है, हिंदुस्तान के हर संस्थान में है, क ख ग से लेकर कम्प्यूटर कोडिंग के व्याकरण में है..! संगीत, कला, साहित्य, संस्कृति से लेकर गणित के हर समीकरण में है..! यह भारतीय अस्मिता का स्वाभिमानी अनुनाद है और नये दौर के नव भारत का आत्मिक शंखनाद है..! वंदे मातरम..हर हिन्दुस्तानी के वजूद का अमिट हस्ताक्षर है..! देशभक्ति के रजत पटल का जॉबाज़ स्वर्णाक्षर है..!'

ऑस्ट्रेलियन ओपन में फिटनेस ट्रैकर्स बैन पर सबालेंका की नाराजगी, नियमों में बदलाव की मांग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में कलाई पर पहने जाने वाले फिटनेस ट्रैकर्स पर लगे प्रतिबंध को लेकर सवाल उठाए हैं। मेलबर्न पार्क में शानदार जीत के बाद उन्होंने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट्स के नियमों पर दोबारा विचार करने की अपील की। सबालेंका का मानना है कि आधुनिक टेनिस में फिटनेस ट्रैकर्स खिलाड़ियों की सेहत और रिकवरी के लिए बेहद अहम हो चुके हैं, खासकर अत्यधिक गर्मी में खेले जाने वाले मैचों के दौरान।

मंगलवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में एरिना सबालेंका ने 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी इवा जोविक को 6-3, 6-0 से करारी शिकस्त दी। यह जीत न सिर्फ उनकी शानदार फॉर्म को दर्शाती है, बल्कि उन्हें चार साल में तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने की ओर भी एक कदम आगे ले गई। मुकाबले के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबालेंका ने फिटनेस ट्रैकर्स पर लगे बैन को लेकर अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की।

सबालेंका के मुताबिक, फिटनेस ट्रैकर्स सिर्फ एक गैजेट नहीं, बल्कि खिलाड़ियों की सेहत की निगरानी का अहम साधन हैं। उन्होंने कहा कि ये डिवाइस शरीर पर पड़ने वाले लोड, हार्ट रेट और रिकवरी को समझने में मदद करते हैं। खासतौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन जैसे टूर्नामेंट, जहां भीषण गर्मी में मुकाबले होते हैं, वहां खिलाड़ियों के लिए अपनी फिजिकल कंडीशन पर नज़र रखना बेहद ज़रूरी हो जाता है।

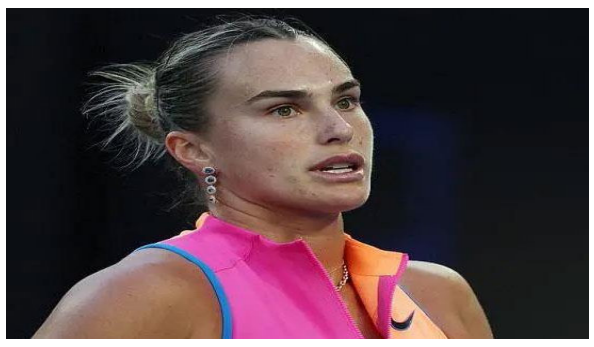

सबालेंका उन कई टॉप खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन द्वारा अप्रूव्ड हूप फिटनेस ट्रैकर्स का इस्तेमाल करती हैं। कार्लोस अल्काराज़ और जानिक सिनर जैसे स्टार खिलाड़ी भी नियमित तौर पर ये डिवाइस पहनते हैं। दिलचस्प बात यह है कि डब्ल्यूटीए और एटीपी टूर के ज़्यादातर टूर्नामेंट्स में इन फिटनेस ट्रैकर्स की अनुमति है, लेकिन ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में इन्हें प्रतिबंधित कर दिया गया है। सबालेंका ने इस असमानता पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरे साल खिलाड़ी अलग-अलग टूर्नामेंट्स में फिटनेस ट्रैकर्स पहनते हैं, लेकिन ग्रैंड स्लैम में अचानक इन्हें हटाने के लिए कहना समझ से परे है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को ईमेल के ज़रिये आईटीएफ से अनुमति मिलने की जानकारी दी गई थी, जिसके बाद वह कोर्ट पर यह डिवाइस पहनकर उतरी थीं।

हम इस तरह वर्ल्ड कप में नहीं जाना चाहते थे : क्रिकेट स्कॉटलैंड

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बांग्लादेश के बाहर होने के बाद अब स्कॉटलैंड क्रिकेट की ओर से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। क्रिकेट स्कॉटलैंड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी टूडी लिंडब्लेड ने बांग्लादेश के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि यह वह तरीका नहीं था, जिससे स्कॉटलैंड वर्ल्ड कप में जगह बनाना चाहता था।

दरअसल, बांग्लादेश ने भारत की यात्रा करने से इनकार करते हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 से अपना नाम वापस ले लिया था। इसके बाद आईसीसी ने टूर्नामेंट में उनकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया। खास बात यह रही कि स्कॉटलैंड यूरोपियन रीजनल क्वालिफायर्स के जरिए वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाया था, लेकिन वह 20 टीमों वाले टूर्नामेंट में शामिल न होने वाली सबसे ऊंची रैंकिंग (14वीं) टीम थी, जिसके चलते उसे मौका मिला।

टूडी लिंडब्लेड ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से बातचीत में कहा, 'हमें बांग्लादेश टीम के लिए निश्चित रूप से सहानुभूति है। जाहिर है, यह वह तरीका नहीं है जिससे हम वर्ल्ड कप में जाना चाहते थे। एक तय क्वालिफिकेशन प्रक्रिया होती है और कोई भी टीम इस तरह आमंत्रित होकर वर्ल्ड कप में खेलना नहीं चाहती। यह हमारी भागीदारी के लिए एक अनोखी परिस्थिति है और हमें बांग्लादेश के खिलाड़ियों के लिए बुरा लगता है।'

बांग्लादेश की जगह लेने के बाद स्कॉटलैंड टीम को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लिंडब्लेड ने कहा कि टीम बाहरी राय को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा, 'लोगों की अपनी-अपनी राय होगी और उन्हें ऐसा कहने का हक है। हमें इतना पता है कि हमें वर्ल्ड कप में खेलने का निमंत्रण मिला है। हम आईसीसी रैंकिंग में 14वें स्थान पर हैं और साल भर लगातार क्रिकेट खेलने वाली एक मजबूत टीम हैं।'

उन्होंने आगे यह भी जोड़ा कि क्वालिफायर टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड का प्रदर्शन उनकी असली क्षमता को नहीं दिखा पाया, इसलिए टीम इस मौके को लेकर खुश है, भले ही हालात चुनौतीपूर्ण और असामान्य हों। स्कॉटलैंड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। रिची बेरिंगटन को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि अफगानिस्तान में जन्मे तेज़ गेंदबाज़ जैनुल्लाह इहसान को पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

स्कॉटलैंड की टी20 वर्ल्ड कप टीम : रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस, ब्रैडली करी, ओलिवर डेविडसन, क्रिस ग्रिव्स, जैनुल्लाह इहसान, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, फिनले मैक्रीथ, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मंसी, सफयान शरीफ, मार्क वॉट, ब्रैडली व्हील।

भारत को 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात के लिए रियायती यूरोपीय संघ बाजार पहुंच मिलेगी : गोयल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत को यूरोपीय संघ (ईयू) बाजार में मूल्य के हिसाब से अपने 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात के लिए रियायती शुल्क पर बाजार पहुंच मिलेगी। इससे घरेलू श्रम-प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता के समापन की घोषणा की। गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष वोंडरलेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के नेतृत्व में भारत और यूरोपीय संघ ने सबसे बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।'

गोयल ने कहा कि यह समझौता देश की वैश्विक व्यापार भागीदारी में एक रणनीतिक उपलब्धि है, जिससे 1.4 अरब लोगों के लिए 20 हजार अरब डॉलर के यूरोपीय संघ बाजार में विशाल अवसर खुलेंगे। उन्होंने कहा, 'यह ऐसा समझौता है जो हमारे निर्यात के 99 प्रतिशत से अधिक हिस्से को अभूतपूर्व बाजार पहुंच देता है, जिससे हमारे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को जबरदस्त प्रोत्साहन मिलेगा और 'मेक इन इंडिया' को मजबूती मिलेगी।' उन्होंने बताया कि यह साझेदारी दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुई है, जो वैश्विक व्यापार के लगभग एक-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करती हैं।

उन्होंने कहा कि इससे भारतीय व्यवसायों के लिए बड़े व्यापार और निवेश अवसर पैदा होंगे और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम), महिलाएं, युवा, कारीगर, श्रमिक, छात्र, कुशल पेशेवर, मछुआरे, किसान और निर्यातकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, ''संवेदनशील क्षेत्रों को बचाने के लिए सावधानी बरतने के साथ, उच्च मूल्य वाले यूरोपीय संघ के बाजार में बड़े पैमाने पर संभावनाएं खोलते हुए ग्रामीण आजीविका भी सुरक्षित की गई है।''

मंत्री ने कहा, ''भविष्य के लिए तैयार गतिशीलता ढांचे के साथ सेवा क्षेत्र में एक बड़ी जीत हासिल की गई है जो हमारे कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करने में मदद करेगी।'' गोयल ने कहा कि यह समझौता भविष्य का द्वार है, क्योंकि इससे भारत उच्च-मूल्य वाली नौकरियां पैदा कर सकेगा, नवाचार को गति मिलेगी और वैश्विक स्तर पर प्रतिभा व सतत आर्थिक वृद्धि के लिए एक प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

अपने आईपीएल अनुभव पर और ज्यादा भरोसा करने की जरूरत है : टी20 वर्ल्ड कप से पहले बोले रिकेल्टन

केप टाउन **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन, जिन्हें टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम में शामिल किया गया है, ने कहा है कि वह अपने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अनुभव पर थोड़ा और भरोसा करना चाहते हैं। 22 जनवरी को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने घायल टोनी डी जोरजी और डोनोवन फरेरा की जगह रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स को टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया। 29 साल के रिकेल्टन ने मई 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना टी20आई डेब्यू किया था। तब से इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 18 मैचों में 381 रन बनाए हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। रिकेल्टन दक्षिण अफ्रीका की टी20 वर्ल्ड कप 2024 टीम का भी हिस्सा थे, जो बारबाडोस में भारत से हारने से पहले फाइनल में पहुंची थी। उन्होंने 2025 सीजन में आईपीएल में डेब्यू किया। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करते हुए रिकेल्टन ने 14 मैचों में 388 रन बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। आगामी आईसीसी टूर्नामेंट से पहले रिकेल्टन ने कहा कि उन्हें उपमहाद्वीप में अपने अप्रोच के बारे में सोचने की जरूरत है, जहां भारत में दो वनडे में उनके दो डक हैं, लेकिन पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने शतक बनाया था। रिकेल्टन ने कहा, 'मुझे शायद अपने आईपीएल अनुभव पर थोड़ा और भरोसा करने की जरूरत है। यह वनडे क्रिकेट था जहां मुझे संघर्ष करना पड़ रहा था। मुझे लगता है कि मुझे आईपीएल से थोड़ा अनुभव मिला है, दबाव का, मैं मैदान से काफी परिचित हूं और शायद मैं जिन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने वाला हूं, उनमें से कई को जानता हूं।'

एसबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक को पछाड़ा 6 साल बाद हासिल किया यह बड़ा मुकाम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने मार्केट कैपिटलाइजेशन के मामले में 6 साल के बाद आईसीआईसीआई बैंक को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर देश का दूसरा सबसे मूल्यवान बैंक बनने का गौरव हासिल कर लिया है। छह साल से अधिक समय बाद एसबीआई ने यह मुकाम पाया है, जबकि पहले स्थान पर अब भी एचडीएफसी बैंक बना हुआ है।

बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, एसबीआई का मार्केट कैप ?9.71 लाख करोड़ रहा, जबकि आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप ?9.57 लाख करोड़ दर्ज किया गया। वहीं, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप ?14.16 लाख करोड़ के स्तर पर है। इससे पहले अगस्त 2019 में एसबीआई का मार्केट कैप ?2.69 लाख करोड़ और आईसीआईसीआई बैंक का ?2.65 लाख करोड़ था। शेयर बाजार में एसबीआई के शेयर में मजबूती देखने को मिली। यह करीब 2.28 फीसदी की तेजी के साथ ?1, 053 पर बंद हुआ। हाल ही में 22 जनवरी 2026 को एसबीआई का शेयर ?1, 055.35 के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंचा था। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.49 फीसदी की तेजी के साथ ?1, 363.35 पर बंद हुआ।

जनवरी 2026 में अब तक एसबीआई के शेयर में करीब 6 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है, जबकि इसी अवधि में सेंसेक्स 4.2 फीसदी गिरा है। इसके मुकाबले एचडीएफसी बैंक के शेयर में 7.2 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में 0.3 फीसदी की गिरावट आई है।

एसबीआई के बेहतर प्रदर्शन के पीछे विदेशी निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी अहम वजह मानी जा रही है। दिसंबर 2025 तिमाही में बैंक में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर 10.34 फीसदी हो गई, जो एक साल में सबसे ऊंचा स्तर है। बैंक का कारोबार मजबूत बना हुआ है और कर्ज से जुड़े जोखिम भी नियंत्रण में हैं।

सेंसेक्स 319 अंक की तेजी के साथ 81, 857 पर बंद, निफ्टी 25, 170 के पार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। शेयर बाजार में आज यानी 27 जनवरी को भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सेंसेक्स 319 अंक की तेजी के साथ 81, 857 के स्तर पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी भी 126 अंक उछलकर 25, 175 के स्तर पर क्लोज हुआ।

एशियाई बाजारों में मजबूती देखने को मिली, जहां दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 2.73 प्रतिशत की तेजी के साथ 5, 084 के स्तर पर पहुंच गया है। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.85 प्रतिशत चढ़कर 53, 333 पर कारोबार कर रहा है। वहीं हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 27, 126 और चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 4, 139 पर पहुंच गया है।

अमेरिकी बाजारों में भी 26 जनवरी को मजबूती देखने को मिली थी। डाउ जोन्स 0.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 49, 412 पर बंद हुआ, जबकि नैस्डेक इंडेक्स 0.43 प्रतिशत और एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए थे।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला हालांकि जारी है। 23 जनवरी को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 3, 191 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 3, 173 करोड़ रुपए के शेयर खरीदकर बाजार को सहारा दिया। दिसंबर 2025 में विदेशी निवेशकों ने कुल 34, 350 करोड़ रुपए के शेयरों की बिकवाली की थी, जबकि इसी अवधि में घरेलू निवेशकों ने 79, 620 करोड़ रुपए का निवेश किया था।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में वैभव सूर्यवंशी का तूफान जिम्बाब्वे के खिलाफ ठोका शानदार अर्धशतक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय अंडर-19 टीम के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर अपने आक्रामक खेल से सुर्खियों में आ गए हैं। अंडर-19 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए अहम मुकाबले में वैभव ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाज़ी करते हुए शानदार अर्धशतक जड़ा। उनकी यह पारी भले ही शतक में नहीं बदल सकी, लेकिन भारत को मजबूत शुरुआत दिलाने में निर्णायक साबित हुई। लगातार दूसरे मैच में फिफ्टी लगाकर वैभव ने यह साफ कर दिया है कि वह इस टूर्नामेंट में भारत के सबसे अहम बल्लेबाजों में से एक हैं।

बुलवायों में खेले जा रहे इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे के गेंदबाज़ों पर दबाव बना दिया। उन्होंने बिना समय गंवाए बड़े शॉट खेलने शुरू किए और मैदान के चारों ओर रन बटोरे। उनकी बल्लेबाज़ी में आत्मविश्वास और आक्रामकता साफ झलक रही थी, जिससे जिम्बाब्वे की टीम बैकफुट पर चली गई।

वैभव ने इस मैच में सिर्फ 30 गेंदों का सामना करते हुए 52 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से चार चौके और चार लंबे छक्के निकले। 173.33 के स्ट्राइक रेट से खेली गई यह पारी टी20 अंदाज़ की याद दिलाने वाली थी, जिसने भारत को तेज़ शुरुआत दी। जब वैभव आउट हुए, तब टीम का स्कोर 101 रन था, जिसमें आधे से ज़्यादा रन अकेले उनके खाते में थे। वैभव के साथ पारी की शुरुआत करने वाले एरॉन जॉर्ज ने भी शुरुआती ओवरों में तेज़ बल्लेबाज़ी की। उन्होंने 16 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए, जिससे भारत की रनगति बनी रही। इसके बाद कप्तान आयुष म्हात्रे क्रीज पर आए और उन्होंने 19 गेंदों में 21 रन जोड़े। अपनी पारी में कप्तान ने एक चौका और दो छक्के लगाए। हालांकि, कप्तान के आउट होने के तुरंत बाद वैभव भी पवेलियन लौट गए, जिससे भारत को एक साथ दो झटके लगे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह अर्धशतक वैभव सूर्यवंशी का अंडर-19 वर्ल्ड कप में दूसरा अर्धशतक रहा। इससे पहले उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ भी शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए 72 रन बनाए थे। उस पारी में उन्होंने 67 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाए थे। हालांकि वह पारी अपेक्षाकृत धीमी थी, लेकिन उसमें शतक की पूरी उम्मीद नजर आ रही थी। वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाज़ी की सबसे बड़ी खासियत उनकी अनिश्चितता है। जिस अंदाज़ में वह शॉट्स खेलते हैं, उससे गेंदबाज़ और फील्डर दोनों ही अंदाज़ा नहीं लगा पाते कि अगली गेंद पर क्या होने वाला है। यही वजह है कि वह विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखते हैं।

अडानी समूह, एम्ब्रेयर ने भारत में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए रणनीतिक सहयोग की घोषणा की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अडानी समूह और ब्राजील की प्रमुख वैमानिकी कंपनी एम्ब्रेयर ने एक रणनीतिक सहयोग की मंगलवार को घोषणा की। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। यह साझेदारी छोटे व मझोले शहरों के लिए हवाई संपर्क को बेहतर बनाने में मदद करेगी। इस साझेदारी की घोषणा मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में की गई।

नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सहयोग केवल क्षेत्रीय विमानों के संयोजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें प्रगतिशील प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और भारत को क्षेत्रीय विमानों का एक विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र बनाना भी शामिल है। 'अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस' के निदेशक जीत अडानी ने कहा कि एम्ब्रेयर के साथ सहयोग से भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जाएगा। एम्ब्रेयर 150 सीट तक के वाणिज्यिक विमान (जेट) बनाती है। इस साझेदारी के साथ, भारतीय विमानन क्षेत्र में पहले से ही मजबूत उपस्थिति रखने वाला अडानी समूह, भारत में विमान विनिर्माण के क्षेत्र में कदम रख रहा है। ये दोनों कंपनियां देश में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए एक 'फाइनल असेंबली लाइन' (एफएएल) भी स्थापित करेंगी।

'अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस' के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष राजवंशी ने कहा कि यह सहयोग देश के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मध्य रेल
निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्याः **CWE/MTN/85257269A/2026 due on** 21.02.2026' **निविदा विवरणः** ड्राइंग संख्या ICF/SK3-5-6-014 कॉलम–I और कॉलम–II, ऊंचाई–h के अनुसार आईसी डोर का सेट, और विनिर्देश के अनुसारःICF/MD/SPECN-268, जारी स्थिति –01, संशोधन 00. **मात्राः** 187; **नियत तारीखः** 21.02.2026; **राशिः** रु. 94,44,689/– DE-852

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है।

मध्य रेलवे
एसएलआर के अर्जन एवं लीज़िंग अनुबंध हेतु ई-नीलामी

टेंडर क्रमांकः NGP/C/152/E-Auction/80/2025 दिनांकः 24.01.2026; NGP-PLS-SLR-01/05, एसएलआर यूनिट ट्रेन क्रमांक 12290, 12136, 22142, 22124 एवं 12114 प्रारंभ तिथि 13.02.2026 को 15:00 बजे / समाप्ति तिथि 13.02.2026 को 16:10 बजे।

DE/39 एसीएम (कॉमर्शियल) / नागपुर

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है।

बिग बॉस विनर प्रिंस नरूला ने युविका चौधरी से तलाक की अटकलों पर लगाया फुल स्टॉप, बोले- 'हम अलग नहीं हो रहे'

हाल ही में अपनी बेटी 'एक्लीन' के माता-पिता बने प्रिंस नरूला और युविका चौधरी की शादीशुदा जिंदगी पिछले कुछ दिनों से चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया पर दोनों के अलग होने की अटकलें तब तेज हो गईं, जब कुछ मौकों पर दोनों को साथ नहीं देखा गया। अब प्रिंस नरूला ने इन अफवाहों पर विराम लगाते हुए अपनी चुप्पी तोड़ी है और साफ किया है कि उनके बीच सब कुछ ठीक है।

एक इंटरव्यू में प्रिंस ने स्वीकार किया कि हर शादीशुदा जोड़े की तरह उनके बीच भी असहमति होती है, लेकिन इसका मतलब अलगाव नहीं है। प्रिंस ने कहा, 'हर पति-पत्नी की जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते हैं। हमारे एक वीडियो को लोगों ने गलत संदर्भ में ले लिया था। मैंने बस अपनी भावनाएं जाहिर की थीं। हम इतने समझदार हैं कि अगर अलग होने की बात होती, तो साफ कर देते। हम कभी ऐसा सोच भी नहीं सकते। जैसे हम अपने माता-पिता या भाई-बहनों से लड़ते हैं, वैसे ही पति-पत्नी का झगड़ा भी सामान्य है, इसका मतलब रिश्ता खत्म करना नहीं होता।'

प्रिंस ने बताया कि बेटी एक्लीन के आने के बाद उनकी और युविका की जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। अब उनकी प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं और वे पहले से ज्यादा शांत हो गए हैं। प्रिंस ने साझा किया, 'अब मैं काम खत्म होते ही पहली फ्लाइट पकड़कर घर भागना चाहता हूं। हम अब छोटी-छोटी बातों पर नहीं झगड़ते क्योंकि हमारी पूरी दुनिया अब हमारी बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है। वह हमारे लिए सबसे बड़ी खुशी है और उसी की वजह से मैं और युविका अब साथ में ज्यादा वक्त बिता पाते हैं।' प्रिंस और युविका की शादी में दरार की खबरें तब उड़ीं जब युविका, प्रिंस के जन्मदिन के जश्न में नजर नहीं आईं। इसके बाद प्रिंस के एक रहस्यमयी इंस्टाग्राम पोस्ट ने आग में घी डालने का काम किया। उन्होंने लिखा था, 'कुछ लोग क्लॉग्स में झूठ बोलकर सच्चे बन जाते हैं और कुछ चुप रहकर गलत साबित हो जाते हैं। इस जमाने में रिश्तों से ज्यादा क्लॉग्स जरूरी हैं।'

प्रशंसकों ने इसे युविका पर सीधा तंज माना था। इसके बाद बेटी के दो महीने पूरे होने पर दोनों के अलग-अलग पोस्ट ने भी लोगों को हैरान किया।

तमाम अटकलों के बीच, प्रिंस नरूला ने हाल ही में लोहड़ी सेलिब्रेशन की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में प्रिंस, युविका और उनकी नन्ही बेटी एक साथ खुश नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने साफ कर दिया कि उनकी शादीशुदा जिंदगी की नींव आज भी मजबूत है। बता दें कि 'बिग बॉस 9' में मिले इस जोड़े ने अक्टूबर 2018 में शादी की थी और 2024 में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया।

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

संख्याः W/623/3/NIT **''ई–टेण्डरिंग नोटिस''** दिनांकः22.01.2026

मंडल रेल प्रबंधक मंडल कार्यालय कार्य लेखा शाखा पश्चिम रेलवे रतलाम भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा के माध्यम से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित करते हैं विवरण इस प्रकार है

क्रम सं.	ई–टेण्डरिंग संख्या और कार्य का नाम	अनुमानित लागत रु.	बयाना राशी रु.
1.	**RTM-2025-26-185** Godhra -Ratlam -Providing track machine siding with allied facilities at Jekot and balance work for Limkheda siding. **अनुमानित मात्राः-** As per tender schedule, **कार्य समापन अवधिः-** 12 Months, **Similar type of work:-** Any Civil Engineering Work. **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथिः**– 22.01.2026, **निविदा खुलने की तिथिः**– 16.02.2026	₹5,01,66,194.38	₹4,00,800.00

विस्तृत निविदा सूचना, अहाता शर्तें एवं अन्य शर्तें वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

5/1/427

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

आयुर्वेद भारतीय ज्ञान परम्परा की अमूल्य धरोहर - न्यायमूर्ति मंजूरानी चौहान

माघ मेला में काली मार्ग स्थित आयुर्वेद चिकित्सालय में आयुर्वेद, योग एवं अध्यात्म पर वैज्ञानिक संगोष्ठी सम्पन्न

- योग स्वस्थ जीवन का सशक्त माध्यम - कल्पराज सिंह
- अध्यात्म के बिना समग्र स्वास्थ्य अधूरा - प्रो. ललित त्रिपाठी

प्रयागराजः विश्व आयुर्वेद मिशन एवं आयुर्वेद विभाग प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में 'आयुर्वेद, योग एवं अध्यात्म सर्वांगीण स्वास्थ्य के त्रिस्तम्भ' विषय पर सोमवार, 26 जनवरी 2026 को एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन महर्षि भारद्वाज राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय माघ मेला, प्रयागराज में झंडु के सौजन्य से किया गया। जिसका उद्घाटन इलाहाबाद उच्च न्यायालय की माननीय न्यायमूर्ति श्रीमती मंजू रानी चौहान ने किया । इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माननीय सदस्य श्री कल्प राज सिंह एवं सारस्वत अतिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगा नाथ झा परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ मनोज कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम का प्रारम्भ डॉ विद्याधर द्विवेदी जी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया तत्पश्चात डॉ. पंकज मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) गिरीन्द्र सिंह तोमर ने विषय प्रवर्तन करते हुए बताया कि आयुर्वेद, योग एवं अध्यात्म समग्र स्वास्थ्य के तीन प्रमुख स्तंभ हैं ।आयुर्वेद का प्रमुख उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना है । इसमें वर्णित जीवनशैली अत्यंत व्यावहारिक एवं वैज्ञानिकता से ओतप्रोत है । यही नहीं आयुर्वेद से जीर्ण एवं असाध्य रोगों की चिकित्सा भी संभव है । इस अवसर पर डॉ तोमर ने कोल्ड प्रेस्ड सरसों के तेल के हृदय को स्वस्थ रखने एवं ओमेगा 3 फेटी एसिड होने के कारण पोषक प्रभाव की जानकारी देते हुए बताया कि इससे ट्राई ग्लिसराइड एवं एलडीएल में कमी आती है तथा एचडीएल में वृद्धि होती है । ट्रांसफेट रहित होने से यह हृदय को स्वस्थ रखता है । प्रवेक नेचरल्स निर्मित पीली सरसों एवं नारियल के कोल्ड प्रेस्ड तेल अत्यंत गुणवत्ता पूर्ण हैं । मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में माननीय न्यायमूर्ति श्रीमती मंजूरानी चौहान ने कहा कि आयुर्वेद भारतीय ज्ञान परम्परा की अमूल्य धरोहर है । हज़ारों वर्ष पूर्व हमारे महर्षियों ने स्वस्थ जीवनशैली का जो वर्णन किया है वह आज के परिवेश में भी अनुकरणीय है । विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में कल्पराज सिंह ने आयोजकों को इस सामयिक संगोष्ठी के लिए धन्यवाद दिया एवं आयुर्वेद एवं योग को स्वस्थ जीवन का सशक्त माध्यम बताया। डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी ने आध्यात्मिक स्वास्थ्य के बिना समग्र स्वास्थ्य को अधूरा बताया । उन्होंने कहा कि आयुर्वेद आरोग्य प्रदान करने की जीवंत विधा है । आरोग्य से ही व्यक्ति धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष पुरुषार्थ चतुष्टय को प्राप्त कर सकता है । डॉ मनोज कुमार सिंह ने आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा तीर्थ यात्रियों एवं साधु संतों के चिकित्सा सुविधा के लिए मुहैया कराई गईं सुविधाओं का विस्तार से उल्लेख किया । उन्होंने बताया कि अब तक मेले में कार्यरत पाँच आयुर्वेद चिकित्सालयों में लगभग 48 हज़ार मरीज देखे जा चुके हैं । इस अवसर पर माघ मेला में साधु, संन्यासियों, कल्पवासियों एवं तीर्थ यात्रियों की अहर्निश चिकित्सा सेवा करने एवं इसमें सहयोग करने वाले चिकित्सकों, फार्मासिस्टों एवं सहयोगी स्टाफ़ को विश्व आयुर्वेद मिशन की ओर से सम्मान प्रमाण पत्र प्रदान किया गया । संचालन आयोजन सचिव डॉ अवनीश पाण्डेय ने किया। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ । इस अवसर पर डॉ. भारत नायक, डॉ अवधेश त्रिपाठी, डॉ. ब्रह्मानंद, डॉ. पवन मिश्रा, डॉ पंकज मिश्रा, डॉ राजेन्द्र कुमार, डॉ. अवनीश पांडेय, डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. हेमंत कुमार सिंह, डॉ. लतिका, डॉ सुमन मिश्रा, डॉ नीतू सिंह, डॉ. महेंद्र त्रिपाठी, डॉ राजतिलक तिवारी, डॉ राम अभिलाष, डॉ आशुतोष मिश्रा, डॉ विवेक द्विवेदी, डॉ रविकांत प्रजापति, डॉ दीपक सोनी, सतीश चंद्र दुबे, नागेश दुबे मुकेश मोहन शुक्ला मौजूद रहे।

आरोग्य भारती द्वारा माघ मेला में निःशुल्क स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन

आरोग्य भारती के माघ मेला सेक्टर 4, इण्टरलॉकिंग गाटा मार्ग, पूर्वी पटरी, पुराना थाना के समीप स्थित शिविर में दिनांक 28 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक एक निःशुल्क स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें आयुर्वेद के अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध चिकित्सक एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जी एस तोमर रोगी परीक्षण एवं परामर्श प्रदान करेंगे । शिविर में डॉ तोमर आरोग्य भारती के विविध प्रकल्पों की जानकारी एवं मधुमेह मुक्त भारत पर प्रबोधन भी देंगे । आरोग्य भारती काशी प्रांत के संगठन सचिव डॉ अजय मिश्रा ने सभी श्रद्धालुओं से निवेदन किया है कि वह इस अवसर पर समय से पहुँच कर लाभ उठाएँ ।यह विज्ञप्ति आरोग्य भारती प्रयागराज के सचिव बृजेन्द्र श्रीवास्तव ने दी है ।

शोएब इकबाल और बेटे की मुश्किलें बढ़ीं एमसीडी केस में राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व विधायक शोएब इकबाल की उस पुनरीक्षण याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें एक लोक सेवक को उसके आधिकारिक कर्तव्य निर्वहन में कथित रूप से बाधा डालने के आरोप में दर्ज आपराधिक मामले में आरोप तय किए जाने के खिलाफ अपील की गई है। 2017 की एफआईआर में आरोप है कि दरियागंज में एक संपत्ति का निरीक्षण करते समय एमसीडी अधिकारियों के एक दल को रोका गया और उन्हें बंधक बनाकर रखा गया। आरोप है कि उपायुक्त द्वारा याचिकाकर्ताओं से बात करने के बाद ही दल को जाने दिया गया। आरोप है कि दल को निरीक्षण के दौरान मोबाइल से ली गई तस्वीरों को हटाने के लिए मजबूर किया गया। शोएब इकबाल ने 22 नवंबर, 2025 और 14 जनवरी, 2026 के दो आदेशों को चुनौती दी है, जिनमें आरोप तय करने के निर्देश दिए गए थे। याचिकाकर्ताओं, पूर्व विधायक शोएब इकबाल और उनके बेटे, विधायक आले मोहम्मद इकबाल की ओर से अधिवक्ता वजीह शफीक उपस्थित हुए। याचिकाकर्ताओं ने 22 नवंबर के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 186, 342, 353 और 201 के साथ धारा 34 के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया गया था। 14 जनवरी, 2026 के एक अन्य आदेश को भी चुनौती दी गई है।

पोषण मूल्य से भरपूर मोटे अनाज का आहार में होना आवश्यक- डॉ. सौम्या स्वामिनाथन

मुंबई(संवाददाता) मोटे अनाज की फसलें केवल स्थानीय जलवायु के अनुकूल ही नहीं, बल्कि टिकाऊ फसलें भी हैं। हमारे आहार में पाई जाने वाली अनेक पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में मोटे अनाज महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक ओर जहाँ मोटे अनाज स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं, वहीं ये छोटे किसानों को अच्छा आय स्रोत भी प्रदान करते हैं, ऐसा एमएसएसआरएफ की अध्यक्ष डॉ. सौम्या स्वामिनाथन ने कहा। कुपोषण और मोटापे से लड़ते समय मोटे अनाज तथा अन्य फसलों से प्राप्त आहार विविधता का प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए, यह भी उन्होंने कहा।

एमएसएसआरएफ के जैवविविधता निदेशक डॉ. ई. डी. इस्रायल ऑलिवर किंग ने मोटे अनाज की फसलों से जुड़े प्रमुख चुनौतियों और अवसरों को रेखांकित करते हुए जलवायु असुरक्षा, पोषण असुरक्षा और आजीविका सुदृढ़ीकरण में उनकी क्षमता को स्पष्ट किया। हैदराबाद स्थित भारतीय मोटे अनाज अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ. तारा सत्यवती तथा बाजरा शोधकर्ता डॉ. पी. संजना रेड्डी ने मोटे अनाज अनुसंधान में हुई प्रगति और उन्नत किस्मों की जानकारी दी। हैदराबाद स्थित अंतरराष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान की जीन बैंक के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वेत्रिवेंथन मणी ने दीर्घकालीन स्थिरता के लिए जैवविविधता संरक्षण, स्थानीय किस्मों और आनुवंशिक संसाधनों के महत्व को रेखांकित किया। ओडिशा मिलेट मिशन के पूर्व अधिकारी दिनेश बालम ने ओडिशा में मोटे अनाज आंदोलन की संस्थागत नवाचारों और समुदाय-आधारित पहलों के अनुभव साझा किए।

इस चर्चा सत्र में महिला किसानों ने मोटे अनाज की खेती, बाज़ार और संसाधनों तक पहुँच से जुड़े अपने वास्तविक अनुभव बताए। अनुसंधान और व्यावहारिक अनुभव के दृष्टिकोण को महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ के अंतर्गत नेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च प्रोजेक्ट, कोल्हापुर के सहयोगी अनुसंधान निदेशक डॉ. सुनील कराड ने प्रस्तुत किया। वसंतराव नाईक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी के सहयोगी अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. जी. पवार तथा मुंबई पशु चिकित्सा महाविद्यालय के सहयोगी अधिष्ठाता डॉ. आर. एस. इंगोले ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप उपयुक्त किस्मों, अनुसंधान, विस्तार सेवाओं और किसानों के बीच समन्वय तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन के महत्व को रेखांकित किया।

ट्रम्प का जासूस निकला जिनपिंग का करीबी! परमाणु हथियारों से जुड़ा डेटा अमेरिका को किया लीक

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दो सबसे ताकतवर और करीबी और भरोसेमंद आर्मी जनरल्स अमेरिका के लिए जासूसी कर रहे थे और इन दोनों जनरल्स का नाम जांग यूशिया और ल्यू झेनली है। यह दोनों ही शी जिनपिंग के बहुत करीबी माने जाते हैं। 75 वर्ष के जनरल यूशिया चीन की सबसे बड़ी और सबसे ताकतवर सैन्य संस्था सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष हैं। यानी दूसरे सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं। पहले नंबर पर सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं खुद शी जिनपिंग जो कि इस संस्था के चेयरमैन हैं और जो वाइस चेयरमैन हैं वो जांग योशिया ये जनरल युसिया जो हैं ये चीन के साथ गद्दारी कर रहे थे। चीन की हर एक सेना का कमांड और कंट्रोल इसी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के पास होता है। जनरल ल्यू जेनली भी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन में चीफ ऑफ स्टाफ यानी एक बहुत बड़े अधिकारी थे। जनरल यूशिया और शी जिनपिंग जो चीन के राष्ट्रपति हैं। यह दोनों बहुत करीबी दोस्त थे। यानी एक दोस्त ने ही दूसरे दोस्त के साथ गद्दारी की और एक दोस्त ने शी जिनपिंग का तख्ता पलट करने की कोशिश की।

आरोप यह है कि इन दोनों जनरल्स ने चीन के परमाणु हथियारों से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण डाटा अमेरिका को लीक कर दिया। अमेरिका को दे दिया। और यह दावा खुद अमेरिका के ही एक एक अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने किया है। सवाल यह है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इतने खास इतने गहरे दोस्त इस जनरल पर परमाणु जानकारी लीक करने का आरोप कैसे लगा? दरअसल, 24 जनवरी को एक बंद कमरे में चीन की सेना के जो बड़े-बड़े जनरल्स थे उनकी एक हाई लेवल मीटिंग हुई और वहीं पर पहली बार यह आरोप लगाया गया। इसके कुछ ही घंटों के बाद चीन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर दिया जिसमें जनरल यूशिया पर राष्ट्रीय कानून और पार्टी के अनुशासन को तोड़ने का इसका उल्लंघन करने का शक जताया गया और ल्यू जेन ली के खिलाफ भी एक और जांच इस समय चल रही है। इससे पहले 19 जनवरी को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चाइना नेशनल न्यूक्लियर कॉरपोरेशन के पूर्व जनरल मैनेजर के खिलाफ भी ऐसे ही जांच शुरू करवाई थी और सीएनएसी पर चाइना के नागरिक और सैन्य परमाणु कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी होती है। इस इन्वेस्टिगेशन के दौरान कुछ ऐसे सबूत मिले जिसके बाद जांच की जो सुई है वो जनरल युक्सिया तक भी पहुंच गई और इस जनरल पर अमेरिका को परमाणु हथियारों की जानकारी लीक करने के अलावा तीन और बड़े आरोप लगाए गए हैं। पहला चीन की सेना के लिए हथियारों की खरीद से जुड़ी गोपनीय जानकारी अमेरिका को दे दी गई। दूसरा चीन की सेना में बड़े पदों के बदले रिश्वत ली गई। बड़े पदों पर जो अपॉइंटमेंट होती है उसके बदले रिश्वत खाई गई और सेना के अंदर गुटबाजी पैदा की गई और तीसरा चीन की कम्युनिस्ट पार्टी में फूट डालने की कोशिश का भी आरोप इन पर लगा है।

हमें डील करने में वक्त लगता है, पर हम वादा निभाते हैं, ईयू की काजा कल्लास का भारत को भरोसा

ब्रुसेल्स **(एजेंसी)**। यूरोपीय संघ की विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की उच्च प्रतिनिधि और यूरोपीय आयोग की उपाध्यक्ष काजा कल्लास ने मंगलवार को भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौता (एफटीए) की सराहना करते हुए कहा कि दोनों पक्ष विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'यूरोप, भारत और बदलती विश्व व्यवस्था' विषय पर एक सम्मेलन में बोलते हुए कल्लास ने कहा कि समझौते पर बातचीत में भले ही लंबा समय लगा हो, लेकिन अब यूरोप इस पर कायम रहने का इरादा रखता है। जब मैं दुनिया भर में घूमती हूँ, तो मैं देखती हूँ कि अधिक से अधिक देश यूरोप के साथ साझेदारी बनाना चाहते हैं क्योंकि हम भरोसेमंद हैं, जो आजकल एक महत्वपूर्ण गुण बनता जा रहा है। हमें समझौते करने में लंबा समय लगता है, लेकिन जब हम कर लेते हैं, तो हम उन पर कायम रहते हैं। हम उन्हें लागू करते हैं, और यही बात अब मायने रखती है... जब हम आखिरकार अपने लक्ष्य तक पहुँच जाते हैं, तो हम वास्तव में अपने वादे और समझौते निभाते हैं। मुझे लगता है कि यह बेहद महत्वपूर्ण है... हम विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर बहुत कुछ कर

सकते हैं, और हमने सुरक्षा, रक्षा, विदेश नीति, समुद्री सुरक्षा और साइबर सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार कर ली है। हम इस बारे में बातचीत कर रहे हैं क्योंकि निर्णय लेने के लिए, आपको उपलब्ध तथ्यों और खुफिया जानकारी से अवगत होना आवश्यक है। कल्लास ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने व्यापारिक संबंध स्थापित करने में वास्तविक रुचि देखी, खासकर ऐसे समय में जब कुछ महाशक्तियां बहुपक्षीय व्यवस्था को फिर से परिभाषित करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि बैठक में व्यापारिक संबंध स्थापित करने के साथ-साथ भू-राजनीतिक परिदृश्य से संबंधित अन्य मुद्दों में भी सच्ची रुचि दिखाई दे रही है। क्योंकि हम देख रहे हैं कि महाशक्तियां बहुपक्षीय व्यवस्था को फिर से परिभाषित करना चाहती हैं, जहां सब कुछ विभाजित है... एक छोटे देश से होने के नाते, मैं ईमानदारी से कह सकती हूं कि यह छोटे और मध्यम आकार के देशों के हित में नहीं है। भारत एक छोटा देश नहीं है। लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि यूरोप में सहयोग की गुंजाइश है। यूरोपीय संघ और भारत के बीच विदेश नीति को लेकर भी संबंध हैं। कल्लास ने कहा कि इस समय यूरोप को रूस से खतरा है और यूरोप की क्षमताओं को मजबूत करना आवश्यक है। इस समय रूस से हमारे अस्तित्व को गंभीर खतरा है। हमारे सदस्य देश रक्षा खर्च बढ़ा रहे हैं, और फिर यह भी मायने रखता है कि हम क्षमताएं कहां से खरीदें और किसके साथ साझेदारी करें। पहले चरण में, हम चाहते हैं कि यह पैसा यूरोपीय उद्योग को मिले, लेकिन अगर यूरोपीय उद्योग आपूर्ति करने में सक्षम नहीं है, तो हम बाहर से खरीद सकते हैं, और मुझे लगता है कि भारत जैसे बड़े देश से मिलने वाली प्रतिस्पर्धा भी हमारे उद्योगों के लिए समाधान खोजने में सहायक होगी। इससे पहले, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष कोस्टा और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, 'हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि तेजी से असुरक्षित होती दुनिया में अपने लोगों को सुरक्षा भी प्रदान कर रहे हैं।

इटली के राष्ट्रपति का बड़ा ऐलान : भारत के साथ दोस्ती में नया मोड़, अब और भी गहरे होंगे रिश्ते

रोम **(एजेंसी)**। इतालवी राष्ट्रपति सर्जियो मैटारेला ने कहा है कि भारत और इटली के संबंध तेजी से आगे बढ़ रहे हैं तथा ये पारस्परिक लाभ के लिए और अधिक गहरे होंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देश "लोकतंत्र एवं कानून के शासन के प्रति सम्मान" जैसे मूलभूत मूल्यों को साझा करते हैं। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने शुभकामना संदेश में, मैटारेला ने आशा व्यक्त की कि द्विपक्षीय एजेंडा के हर क्षेत्र में, साथ ही भारत-यूरोपीय संघ संबंधों के ढांचे के भीतर, "हमारे देशों के बीच तालमेल" मजबूत हो सकता है, जिसे नए आर्थिक और व्यापारिक समझौतों से "काफी लाभ" होगा। छब्बीस जनवरी की तारीख वाले शुभकामना संदेश का अंग्रेजी अनुवाद इतालवी दूतावास ने मंगलवार को साझा किया।

मैटारेला ने कहा, 'गणतंत्र दिवस के अवसर पर, मैं आपको, राष्ट्रपति महोदया, भारत गणराज्य के समृद्ध भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं। भारत और इटली के संबंध तेजी से अग्रसर हो रहे हैं, जो हमारे पारस्परिक लाभ के लिए और अधिक गहन होंगे।' संदेश में कहा गया है कि संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना के कार्यान्वयन की बदौलत द्विपक्षीय साझेदारी, सहयोग के नए अवसरों से "हर दिन समृद्ध हो रही है", चाहे वह "हमारे संबंधित आर्थिक संचालकों के बीच संयुक्त परियोजनाओं, वैज्ञानिक सहयोग, या हमारे नागरिक समाजों के बीच तेजी से गहन और फलदायी संपर्कों" के माध्यम से हो। मैटारेला ने यह भी कहा कि दिल्ली और रोम "लोकतंत्र एवं कानून के शासन के प्रति सम्मान" जैसे मूलभूत मूल्यों को साझा करते हैं।

उन्होंने कहा, "वे कई परस्पर संबंधित हितों का भी अनुसरण करते हैं, जिनकी शुरुआत नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की सुरक्षा, हिंद-भूमध्य सागर क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता की शांतिपूर्ण प्राप्ति तथा प्रमुख वैश्विक चुनौतियों के प्रभावी बहुपक्षीय प्रबंधन से होती है।"

अमेरिका में बर्फीले तूफान का तांडव 25 लोगों की मौत, हजारों फ्लाइट्स कैंसिल, अंधेरे में डूबे 7 लाख घर

वॉशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका इस समय कुदरत के भीषण कहर का सामना कर रहा है। आर्कन्सा से लेकर न्यू इंग्लैंड तक फैले 1, 300 मील के दायरे में आए बर्फीले तूफान ने पूरे देश की रफ्तार रोक दी है। इस आपदा में अब तक कम से कम 25 लोगों की जान जा चुकी है। कड़ाके की ठंड और जमा देने वाली बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। वहीं 8, 000 से ज्यादा फ्लाइट्स या तो रद्द हुईं या देरी से चलीं। बर्फीले तूफान ने आसमान में भी कोहराम मचाया है। सोमवार को 8, 000 से ज्यादा फ्लाइट्स या तो रद्द हुईं या देरी से चलीं। रविवार को हालात इतने खराब थे कि अमेरिका की 45 प्रतिशत उड़ानें उड़ान ही नहीं भर सकीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मौतें केवल ठंड से ही नहीं बल्कि हादसों से भी हुई हैं। मैसाचुसेट्स में बर्फ हटाते समय दुर्घटनाएं हुईं वहीं आर्कन्सा और टेक्सास में स्लेजिंग के दौरान हुए हादसों में लोगों ने जान गंवाई।

ग्रोक एआई ने कर दिया कांड, पीएम मोदी की पोस्ट का किया उल्टा ट्रांसलेशन, बना दिया इसे विवादित

माले **(एजेंसी)**। एक्स के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस असिस्टेंट ग्रोक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक राजनयिक पोस्ट का गलत ट्रांसलेशन करके बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर दुनियाभर से बधाइयों का सिलसिला देखने को मिला। इसी क्रम में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भी भारत को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस संदेश का जवाब मालदीव की आधिकारिक भाषा दिवेही में दिया। मालदीव ने लिखा कि मैं भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आपको अपनी गर्मजोशी भरी शुभकामनाएं और बेस्ट विशेज देता हूं। हम दोनों देशों के लोगों के हित में मिलकर काम करना जारी रखेंगे। मैं मालदीव के सभी लोगों को समृद्धि और खुशी से भरे भविष्य की कामना करता हूं।

भारत की तरफ से दिए गए जवाब में लिखा गया शुक्रिया, रायिथुन मजलिस। भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह मालदीव में आयोजित हुए थे और मालदीव सरकार ने इसमें भाग लिया। ये शुक्रिया सरकार भी लोगों के एंटी-इंडिया कैंपेन में शामिल रही है। यहां तक कि दो एंटी-इंडिया कैंपेन में वो विरोध प्रदर्शनों में सबसे आगे रही हैं। ये ट्रांसलेशन न सिर्फ अर्थ में अलग था, बल्कि पूरी तरह से काल्पनिक और भड़काऊ है। पीएम मोदी के पोस्ट में एंटी-इंडिया जैसा कोई शब्द या संकेत नहीं था। इस अनुवाद को लेकर सोशल मीडिया यूज़र्स ने सवाल उठाए और इसे तथ्यों से परे और भ्रामक बताया। संशोधित अनुवाद में लिखा थाः धन्यवाद, राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, मैं आपके द्वारा दी गई हार्दिक बधाई और शुभकामनाओं को आदरपूर्वक स्वीकार करता हूँ। हम दोनों देशों के नागरिकों के हित में मिलकर जो कार्य कर रहे हैं, उसे आगे बढ़ाते रहेंगे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। दैथानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)